अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–182 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ बुधवार 1 नवम्बर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

टप्पल में बनेगा १०० बेड की सीसीयू, स्वास्थ्य मंत्री ने प्रस्ताव पर लगाई मुहर

अलीगढ़। अलीगढ़ के टप्पल में 100 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) की स्थापना की जाएगी। अलीगढ़–टप्पल–पलवल मार्ग पर यह अस्पताल बनाया जाएगा। जिससे कि दुर्घटना में घायल होने वाले गंभीर मरीजों को बेहतर इलाज देते हुए, उनकी जान बचाई जा सके। प्रशासन ने इस क्षेत्र में यूनिट स्थापित करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेज रखा था। जिस पर सूबे के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री ने मुहर लगा दी है। जल्दी ही इसके लिए बजट जारी करके यूनिट की स्थापना का काम शुरू किया जाएगा। जिससे कि लोगों को तत्काल जीवन रक्षक उपलब्ध कराया जा सके और टप्पल क्षेत्र में ही उन्हें बेहतर इलाज मिल सके। अलीगढ़ के खैर टप्पल क्षेत्र में वर्तमान में गंभीर इलाज के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। इसलिए किसी तरह का हादसा होने पर सीएचसी से गंभीर मरीजों का तत्काल जिला अस्पताल या फिर मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया जाता है। कई बार समुचित इलाज न मिलने के कारण मरीज को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है। जिसके चलते लंबे समय से इस क्षेत्र में सीसीयू की मांग की जा रही थी। प्रशासन से स्वास्थ्य विभाग से प्रस्ताव लेकर इसे शासन को भेज दिया था। अब इसमें जल्द से जल्द काम शुरू होने की संभावना है। टप्पल क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस वे या फिर हाईवे पर किसी तरह का कोई हादसा होता है, तो लोग अलीगढ़ आने के बजाय सीधा नोएडा जाना ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि टप्पल क्षेत्र से अलीगढ़ जिला मुख्यालय आने के लिए लगभग 50–55 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। इसके अलावा टप्पल से अलीगढ़ आने के लिए लोगों को भीषण जान और अन्य समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है। जबकि टप्पल में हादसा होने नोएडा जाना लोगों के लिए ज्यादा आसान होता है। इसके लिए लोगों को दूरी भी कम तय करनी पड़ती है और रास्ते में जाम जैसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है। लेकिन टप्पल में सीसीयू बन जाने के बाद यह दिक्कत भी दूर हो जाएगी। यमुना एक्सप्रेस वे पर हर साल लगभग 2500 हादसे होते हैं। जिसमें समय पर इलाज न मिलने के कारण सैकड़ों लोग अपनी जान गंवा बैठते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है कि उन्हें गंभीर स्थिति में इलाज के लिए अलीगढ़ मुख्यालय तक आना पड़ता है या निजी अस्पताल में जाना पड़ता है। डीएम इंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि टप्पल में क्रिटिकल केयर यूनिट बनाने के लिए पहले ही प्रस्ताव भेजा जा चुका था। उन्होंने बताया कि डिप्टी सीएम ने इस प्रोजेक्ट पर मुहर लगा दी है, जिसके बाद जल्दी ही टप्पल क्षेत्र में सीसीयू का काम शुरू होने की उम्मीद है।

राजनाथ सिंह और सीएम योगी ने सरदार पटेल को दी श्रद्धांजलि, रन फॉर यूनिटी का किया शुभारंभ

लखनऊ। लौहपुरुष 'भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती (राष्ट्रीय एकता दिवस) के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हजरतगंज स्थित सरदार पटेल स्मारक पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एकता दौड़ 'रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, सांसद कौशल किशोर, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा आदि मौजूद रहे। योगी ने राष्ट्रीय एकता के आधार स्तंभ और भारत माता के महान सपूत लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि वर्ष 1947 में जब देश आजाद हुआ था, तब स्वतंत्र भारत में अलग–अलग रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाने के लिए लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उन्होंने कहा कि भले ही उनके कार्यकाल के दौरान उन्हें तत्कालीन सरकारों ने सम्मान न दिया हो, लेकिन 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव व्यक्त करते हुए 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की। इस अवसर पर देशवासी जाति,

मत, मजहब, क्षेत्र और भाषा को भुला कर एक साथ एकता दौड़'रन फॉर यूनिटीश्में शामिल हो करके सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। योगी ने शार्ट नोटिस पर बड़ी संख्या में एकता दौड़'रन फॉर यूनिटीश्में शामिल होने आए बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को धन्यवाद देते हुए उनका आभार प्रकट किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज के दिन हमें उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों और नेताओं का स्मरण करना चाहिए, जिन्होंने भारत को आजाद कराने में और स्वतंत्र भारत के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि जब भारत आजाद हुआ था तो वह 562 रियासतों में बंटा हुआ था। अंग्रेजों ने जानबूझ कर रियासतों को विलय करने या अलग रहने का निर्णय करने का मौका दिया था। ऐसे में देश के गृहमंत्री के रूप में सरदार वल्लवभाई पटेल के सामने क्या कठिन परिस्थिति और चुनौती रही होगी, इसकी आज कल्पना करना भी मुश्किल है। उन्होंने कहा कि यह सरदार पटेल की दूरदर्शिता और उनकी कूटनीतिक एवं रणनीतिक क्षमता का ही परिणाम था कि भारत की एकता और अखण्डता सुनिश्चित की जा सकी। आप सभी ने जूनागढ़ रियासत और निजामशाही से जुड़ी घटनाओं के बारे में सुना होगा। सरदार पटेल ने इन दोनों रियासतों का भारत में विलय कराया। जम्मू एवं कश्मीर के विलय का काम भी अगर सरदार पटेल को ही सौंपा गया होता तो संविधान की धारा 370 की समस्या पैदा ही नहीं हुई होती। सरकार पटेल ने उस समय सूझ बूझ और द्दढ़ता का परिचय न दिया होता तो आज भारतवासियों को जूनागढ़ और हैदराबाद जाने के लिए वीजा पासपोर्ट की जरूरत पड़ रही होती।

दिवाली पर सीएम का बड़ा तोहफा, पीएम आवास योजना के पौने 2 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त गैस सिलेंडर देगी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आज लखनऊ के लोकभवन में कैबिनेट बैठक हुई। इस कैबिनेट बैठक में सीएम योगी ने लोगों को दीवाली का तोहफा आकर्षित करने के लिए रियायती दरों पर जमीन देने और प्रोत्साहन देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि सैमसंग इंडिया को मेगा परियोजना के निवेश पर जमीन खरीदने और स्टाम्प ड्यूटी में छूट देने के प्रस्ताव पर मुहर लगी है। वहीं, सीएम योगी ने पीपीपी माडल पर पॉलिटेक्निक और आईटीआई के संचालन को मंजूरी दी गई

दिया और 20 प्रस्तावों पर मुहर लगाई। इस बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को दीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर देने का ऐलान किया है। इसके तहत 1 करोड़ 75 लाख 4 हजार 385 लाभार्थियों को मुफ्त सिलेंडर दिया जाएगा। इसके आलावा सीएम योगी ने बड़ी कंपनियों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए 15 वर्ष में 1751 करोड़ रुपये प्रोत्साहन राशि के रूप में दिया जाएगा। इसी तरह एलजी इंडिया का 567 करोड़ रुपये निवेश है। उन्हें भी नियमानुसार प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। वहीं, प्रदेश में एफडीआई के जरिए 9400 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। प्रदेश में एफडीआई नीति के अंतर्गत 100 करोड़ रुपये से अधिक के है। कार्य में समानता के आधार पर एसएसआइटी के ईओडब्ल्यू में विलय को भी मंजूरी दी गई है। इसी आधार पर सहकारिता विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा का सीबीसीआईडी में विलय करने का निर्णय और मीरजापुर, देवीपाटन और मुरादाबाद मंडलों में राज्य विश्वविद्यालयों की स्थापना को मंजूरी दी गई।

परिषदीय–विद्यालयों में मनाई गई सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती,निकाली प्रभात फेरी

लखनऊ। बख्शी का तालाब क्षेत्र में सभी परिषदीय विद्यालयों में सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती राष्ट्रीय अखंडता दिवस के रूप में आयोजित हुई। मंगलवार सुबह सभी परिषदीय विद्यालयों के छात्र–छात्राओं और शिक्षकों ने प्रभात फेरी निकाली। वहीं विद्यालयों में निबंध प्रतियोगिता एवं कला प्रदर्शनी भी आयोजित हुई। सभी छात्रों को देश की अखंडता बनाए रखने की शपथ भी दिलाई गई। बख्शी का तालाब क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय हरधौरपुर परिषदीय विद्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में हुआ था। मंगलवार को राष्ट्रीय एकीकरण लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का 148वां जन्म दिवस श्राष्ट्रीय अखंडता दिवसश के रूप में मनाया गया। जहां छात्र–छात्राओं और शिक्षकों ने सुबह प्रभात फेरी निकाली। साथ ही छात्र–छात्राओं को शपथ दिलाई गई कि श्मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूं कि मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वंय को समर्पित करूंगा। अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करूंगा। मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा हूं जिसे सरदार बल्लभ भाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों द्वारा संभव बनाया जा सका। मैं अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प करता हूं। इसके साथ विद्यालय में कला प्रदर्शनी एवं निबंध ान प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। गौरतलब होकि इस वर्ष लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल घ्जयंती के अवसर पर लखनऊ के मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन ने आदेश जारी किया था। जिसके क्रम में बीकेटी क्षेत्र के सभी परिषदीय विद्यालयों में सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।

चारबाग रेलवे स्टेशन पर गिरा अधेड़, मौत

लखनऊ। लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को अचानक से एक यात्री की मौत हो गई। यात्री प्लेटफॉर्म नंबर–6 से ग्वालियर की ट्रेन पकड़ने के लिए रेलवे स्टेशन आया था। इस बीच अचानक से गिर कर अचेत हो गया। उसे बलरामपुर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौत के पीछे हार्ट अटैक की आशंका जताई हैं। मध्यप्रदेश में ग्वालियर के डबरा के मूल निवासी कल्याणदास, उम्र 52 साल, लखनऊ की वीआईपी रोड पर स्थित शिव शांति आश्रम में कई दिनों से रहकर भंडारी का काम करता था। 2–3 दिनों से कल्याण दास की तबीयत ठीक नहीं थी। वह आश्रम से छुट्टी लेकर ग्वालियर जा रहा था। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे स्टेशन पर उसकी अचानक तबीयत खराब हो गई। पहले थोड़ी देर बेचौनी हुई फिर वो बेहोश हो गया। प्लेटफार्म पर मौजूद यात्रियों ने इसकी सूचना जीआरपी को दी। इसके बाद जीआरपी और आरपीएफ मौके पर पहुंची। शिव शांति आश्रम में कार्यरत सुनील कुमार का कहना है कि कल्याण दास की 2–3 दिनों से तबियत खराब थी। यही कारण था कि उसने रिजर्वेशन करवाया था और एस–4 में उसकी सीट थी। मृतक के परिजनों को फोन कर मामले की जानकारी दे दी हैं।

प्राइवेट पार्ट में छिपाकर लाया 46 लाख का सोना,लखनऊ एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी गार्ड ने पकड़ा

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर एक यात्री के पास से 46 लाख का सोना पकड़ा गया है। दुबई से प्राइवेट पार्ट में छिपाकर सोना लाया गया था। एयरपोर्ट पर एक सप्ताह में दूसरा मामला सामने आया है जब प्राइवेट पार्ट में छिपा कर सोना पकड़ा गया है। हालांकि इस बार यह सोना कस्टम विभाग ने नहीं बल्कि निजी कंपनी के लगाए सिक्योरिटी गार्ड ने पकड़ा। उसकी समझदारी से स्मगलर पकड़ा गया। दरअसल, सोना लाने वाला व्यक्ति 16 महीने बाद इंडिया आ रहा था। ऐसे में उसके ऊपर कोई शक नहीं था। कस्टम विभाग की अपनी सूची में भी उस नाम का कोई व्यक्ति नहीं था। ऐसे में वह आसानी से आ गया। एयरपोर्ट से बाहर भी निकल आया। लेकिन, अपने साथियों की कमी की वजह से पकड़ लिया गया। बताया जा रहा था कि बाहर दो व्यक्ति सोना लाने वाले का इंतजार कर रहे थे। उनकी हरकत की वजह से वह संदेह के दायरे में आए। जब एयरपोर्ट से स्मगलर निकल गया तो गार्ड ने तीनों से पूछना शुरू कर दिया। इस दौरान विवाद बढ़ गया। मामला बढ़ा तो वहां मौजूद पुलिस भी आ गई। पुलिस के हड़काने के बाद जिस व्यक्ति के पास सोना था, उसने पूरी बात बता दी। थैली बनाकर तीन कैप्सूल प्राइवेट पार्ट में छिपाया था। उसको पेस्ट में बदल दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि उसका वजन करीब 1 किलो से ज्यादा था, उसमें की 640 ग्राम सोना निकला। मौजूदा समय उसकी कीमत करीब 46 लाख रुपए है।

सेल्समैन को लूटने वाले तीन लुटेरे दबोचे,

पुलिस और क्रिमिनल इंटेलीजेंस टीम ने की कार्रवाई

अलीगढ़। अलीगढ़ में शराब के सेल्समैन से दिन दहाड़े लूट करने वाले तीन लुटेरों को पुलिस ने सोमवार रात को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने लूटा गया एडिडास का बैग और 51 हजार रुपए भी बरामद कर लिए हैं। गांधीपार्क पुलिस ने क्रिमिनल इंटेलीजेंस विंग के साथ मिलकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है। घटना के बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था और मामले की जांच कर रही थी। जिसके बाद पुलिस को तीनों का सुराग मिला था। तीनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजा जा रहा है। सासनीगेट चौराहा स्थित शराब की दुकान का सेल्समैन 26 अक्टूबर को देर रात लगभग 10.30 बजे अपने साथी के साथ दुकान बंद करके जा रहा था। उसके साथ दुकान में बिकने वाली शराब का पूरे दिन का कैश था, जो उसने एडिडास के बैग में रख रखा था। सेल्समैन छर्रा अड्डा पुल के ऊपर पहुंचा ही था, कि पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाशों ने उनका बैग छीन लिया था और मौके से फरार हो गए थे। जिसके बाद पीड़ित सेल्समैन ने 112 नंबर पर सूचना दी थी और फिर गांधीपार्क थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद से ही पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई थी। सेल्समैन की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। गांधीपार्क पुलिस के साथ क्रिमिनल इंटेलीजेंस विंग की टीम भी इस मामले की जांच में जुट गई थी और आसपास के सारे सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए थे। सीसीटीवी व अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान हुई। पुलिस ने लूट करने वालों की पहचान साहिल पुत्र शाकिर अली निवासी नंगला मल्लाह थाना क्वार्सी, कैफ उर्फ चीनी पुत्र गुलशेर निवासी निशात बाग कालोनी थाना क्वार्सी और यामीन पुत्र मतलून निवासी तालसपुर थाना रोरावर के रूप में की थी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से लूट के रुपए, बैग और घटना में इस्तेमाल बाइक बरामद कर ली गई है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस उसने पूछताछ कर रही है। जिसमें पता चला कि आरोपी शातिर अपराधी हैं और कई और लूट की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस के सामने आरोपियों ने लूट के कई मामले कबूले हैं। जिसके बाद इनका अपराधिक इतिहास जुटाया जा रहा है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में इंस्पेक्टर गांधीपार्क धर्मेंद्र सिंह, एसआई संदीप कुमार, एसआई राजीव कुमार, हेड कांस्टेबल समीर यादव, कांस्टेबल अखिल सरोहा, कर्मवीर, जितेंद्र सिंह, राहुल कुमार शामिल रहे।

लखनऊ से सोशलिस्ट पार्टी (इंडिया) ने निकाली आचार्य नरेन्द्र देव स्मृति पदयात्रा

लखनऊ। सेशलिस्ट पार्टी (इण्डिया) द्वारा लखनऊ में आचार्य नरेन्द्र देव की समाधि से पदयात्रा निकली। यात्रा 3 नवंबर को उनके जन्मस्थान सीतापुर स्थित आचार्य नरेन्द्र देव शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान पहुंचेगी। महबुल्लापुर नवीन फल मंडी, गुडंबा थाना, बिठौली क्रासिंग पर पद यात्रा का स्वागत हुआ। पद यात्रियों ने जनता में पर्चे बांटते हुए संविधान, लोकतंत्र, समाजवाद पर जन संवाद किया। आचार्य नरेन्द्र देव स्मृति पदयात्रा में सोशलिस्ट पार्टी (इंडिया) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संदीप पाण्डेय, सोशलिस्ट किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल मिश्रा, सोशलिस्ट किसान सभा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव यादव, अभिषेक पटेल, कमलेश पाण्डेय, गौरव सिंह, सचेंद्र यादव, अखिल भारतीय बांस शिल्पी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष ध ारकार सहित कई लोग शामिल हुए ।सोशलिस्ट पार्टी (इण्डिया) सांविध ाानिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने में अपनी ऐतिहासिक भूमिका निभाने के लिए तैयार है। लखनऊ से सीतापुर की पदयात्रा इस कड़ी में तीसरी यात्रा है। इससे पहले 3 व 5 अक्टूबर अकबरपुर से अयोध्या (फैजाबाद) व 25 अक्टूबर को बाराबंकी में राम सेवक यादव स्मृति शराबबंदी पदयात्राएं निकाली जा चुकी हैं।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर लुलु मॉल मे लगी, चित्र प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

लखनऊ। भारत सरकार के सूचना प्रसारण एवं मंत्रालय के विभाग केंद्रीय संचार ब्यूरो लखनऊ के द्वारा लुलु मॉल लखनऊ में राष्ट्रीय एकता दिवस एवं 9 साल – सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण विषय पर चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन विधानपरिषद सदस्य पवन सिंह चौहान ने किया। पवन सिंह चौहान ने कहा कि एकता दिवस के मौके पर मॉल में इस तरह की प्रदर्शनी के आयोजन से नई पीढ़ी को सरदार वल्लभभाई पटेल की जीवनी,कार्यों और प्रयासों व भारत के इतिहास को जानने का मौका मिलेगा।हमारे देश के पहले गृह मंत्री और भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयंती है और पूरा देश 2014 से हर वर्ष इस दिन को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाता आ रहा है। भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने 550 से अधिक रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर वर्तमान भारत माता का मानचित्र बनाने का बेहद गौरवपूर्ण और बड़ा कार्य किया था। विगत 9 वर्षों में चलाये गये कार्यक्रमों,नीतियों और उनकी उपल्बधियों का ज्ञान होगा और आम जनमानस इन योजनाओं,कार्यक्रमों और नीतियों का ज्यादा से ज्यादा लाभ ले सकेंगे। मनोज कुमार वर्मा ने कहा कि उनके द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी में देश की अखंडता और एकता के लिये सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा किये गये कार्य की झलक साफ देखी जा सकती है। उन्होंने पत्रकारों और आमजनों से एकता दिवस के महत्व को जानने के लिये प्रदर्शनी के अवलोकन का अनुरोध किया। क्योंकि आजादी के अमृत महोत्सवश के शुभारंभ के बाद यह अमृत काल का प्रथम राष्ट्रीय एकता दिवस है। जनरल मैनेजर रीटेल लुलु नुमान अजीज खान ने पत्रकारों को संबोधित करते हुये कहा कि भारत में विभिन्न भाषाएं बोली जाती हैं। भारत की विशेषता है कि यहां की विभिन्नता में ही एकता है। केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय लखनऊ द्वारा लुलु माल में लगायी गयी यह प्रदर्शनी 31 अक्टूबर से 4 नवम्बर तक लगी रहेगी जो जनता के लिये पूर्णतरू निशुल्क है।

सम्पादकीय

चुनाव आयोग व आचार संहिता

भारत के चुनाव आयोग और चुनाव प्रणाली की दुनिया के सभी लोकतान्त्रिक देशों में बहुत ऊंची प्रतिष्ठा है और स्थिति यह है कि विश्व के बहुत से देश इसका अध्ययन करने अपने प्रतिनिधि दल नई दिल्ली हर वर्ष भेजते रहते हैं। इसका कारण एक ही है कि भारत का चुनाव आयोग ऐसी संवैधानिक और स्वतन्त्र संस्था है जिसे हमारे संविधान निर्माताओं ने सरकार का अंग नहीं बनाया और इसकी सत्ता इस प्रकार स्वायत्त व स्वतन्त्र रखी कि यह देश की समूची राजनैतिक प्रणाली का इस प्रकार नियामक बन सके कि किसी भी पार्टी को अपनी राजनैतिक गतिविधियां जारी रखने के लिए इसके प्रति सीधे जवाबदेह होना पड़े। चूंकि भारत की प्रशासनिक व्यवस्था अन्ततः राजनैतिक दलों द्वारा ही संचालित होती है तो यह जरूरी समझा गया कि राजनैतिक दलों की संविधान व संविधान सम्मत संस्था के प्रति जिम्मेदारी मुकर्रर की जाये। इसके साथ ही चुनाव आयोग को भारत में लोकतन्त्र की आधार भूमि तैयार करने के लिए जिम्मेदार बनाया गया और इसे दायित्व दिया गया कि चुनाव कराते वक्त इसे सभी राजनैतिक दलों को बराबर व एक समान वातावरण देना होगा और सभी दलों के साथ एक समान व्यवहार करना होगा। संविधान में बाकायदा इसकी व्यवस्था जन प्रतिनिधित्व अधिनियम–1951 के तहत की गई।चुनाव आयोग ने चुनाव कराने के लिए जिस आचार संहिता बनाने का काम किया उसमें भी यह ध्यान रखा गया कि किसी भी सत्तारूढ़ दल और विपक्षी दल के लिए हर हालत में परिस्थितियां अलग–अलग न हों और वे हर दृष्टि से एक समान हों। इसी वजह से आचार संहिता लागू होते ही किसी भी प्रदेश या देश की सम्पूर्ण प्रशासन व्यवस्था का इसे संरक्षक बनाने की व्यवस्था की गई। किसी भी राज्य या देश में चुनावों के समय सत्ता पर काबिज किसी भी दल की सरकारें केवल रोजमर्रा के काम चलाने के ही अख्तियारों से लैस जरूर रहेंगी मगर कोई नीतिगत निर्णय लेने से उन पर रोक लगा दी गई। जहां तक देश की सरकार का प्रश्न है तो लोकसभा चुनावों के समय यह शर्त उस पर भी लागू रहेगी मगर किसी राष्ट्रीय आपदा के समय देश हित में उसे निर्णय लेने का अधिकार होगा क्योंकि भारत में बिना सचेत प्रधानमन्त्री के एक क्षण भी सरकार नहीं रह सकती है। अतः चुनावों के समय भारत में किसी तटस्थ सरकार की कभी जरूरत ही नहीं पड़ती है क्योंकि इसकी व्यवस्था चुनाव आयोग को प्रशासन का संरक्षक बना कर संविधान में पहले से ही कर दी गई है। भारत की चुनाव प्रणाली की एक और खासियत है कि चुनावों के समय यह एक दूसरी स्वतन्त्र व स्वायत्त संस्था न्यायपालिका का भी चुनावों के मामले सीधे दखल नकार देती है। भारत के संविधान निर्माताओं ने न्यायपालिका को भी सरकार का अंग नहीं बनाया और इसे पूरी तरह निष्पक्ष रहने व देश में संविधान का शासन देखने की जिम्मेदारी सौंपी है। चुनाव आयोग चूंकि एक संवैधानिक संस्था है और राजनैतिक दलों के मामले में इसके पास अर्ध न्यायिक अधिकार भी है अतः चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद सर्वोच्च न्यायालय भी चुनाव सम्बन्धी सभी विवादों से स्वयं को दूर कर लेता है । मगर चुनाव आयोग सभी राजनैतिक दलों के लिए एक समान वातावरण व परिस्थितियां देने के लिए संविधानतः बंधा हुआ है अतः उसे देखना होता है कि किसी भी हालत में ऐसे समय में सत्ता पर काबिज किसी भी दल की सरकार अपने किसी भी विरोधी दल के प्रति कोई दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई न कर सके। यह सवाल इतना व्यापक है कि इसकी समीक्षा अभी तक करने की जरूरत नहीं समझी गई। इसका कारण यह भी रहा कि कभी ऐसे हालात पैदा ही नहीं हुए जिनका चुनावों के दौरान इलाज चुनाव आयोग ने न किया हो। इसके साथ यह मुद्दा भी जुड़ जाता है कि चुनाव आचार संहिता के दायरे में कौन–कौन सी कार्रवाइयां आती हैं। सवाल यह भी बहुत महत्वपूर्ण है कि जब किसी राज्य में चुनाव हो रहे हैं तो केन्द्र की जांच एजेंसियां क्या चुनाव आचार संहिता से बाहर रहती हैं। इसका कानूनी जवाब हमें यह मिलता है कि केन्द्रीय जांच एजेंसियों पर चुनाव आचार संहिता लागू नहीं होती क्योंकि उनका काम निष्पक्ष तध्रीके से किसी भी मामले की जांच करना होता है और उनके किसी भी कार्य में राजनैतिक दखलन्दाजी नहीं हो सकती। इन एजेंसियों की स्थिति बेशक संवैधानिक नहीं होती मगर ये वैधानिक होती हैं जो संसद इन्हें कानून बना कर प्रदान करती है। ये एजेंसियां चुनाव आयोग के दायरे में चुनाव आचार संहिता लागू होने के बावजूद नहीं आतीं। देश में अधिकतर स्वतन्त्र जांच एजेंसियों का गठन संविधान लागू होने के बहुत अर्से बाद ही किया गया है और समकालीन समय की चुनौतियों को देखते हुए ही किया गया है। जिस प्रकार 1963 में पं. जवाहर लाल नेहरू ने सीबीआई का गठन किया था। मगर चुनावों के समय सभी राजनैतिक दलों को एक समान राजनैतिक वातावरण देने के दायित्व से चुनाव आयोग बंधा होता है। इसे देखते हुए कुछ विधि विशेषज्ञों की राय में यह मामला न्यायिक समीक्षा का मुद्दा बनता है। राजनैतिक दल गत प्रशासनिक प्रणाली में विभिन्न दलों के बीच आरोप– प्रत्यारोप लगना सामान्य चुनावी प्रसंग माना जाता है परन्तु इसमें भी चुनाव आयोग को सत्तारूढ़ दल व विपक्षी दल का विभेद किये बिना अपना रुख पूरी तरह स्वतन्त्र न केवल रखना होता है बल्कि दिखना भी होता है क्योंकि भारत में चुनावों के परिणाम अवधारणा के आर–पार आते हैं। इस मामले में चुनाव आयोग को भी अपने बारे में बनने वाली जन अवधारणा का ध्यान रखना होता है। यह जन अवधारणा भारत के लोकतन्त्र की शुचिता से सीधे जुड़ी होती है।

जानलेवा वायु प्रदूषण, सरकार और जनमानस

बरसात समाप्ति के साथ ही उत्तर भारत के साथ मध्य भारत भी वायु प्रदूषण की चपेट में आ गया है। क्या दिल्ली, मुंबई सहित कई शहर वायु प्रदूषण की गिरफ्त में है। केंद्र और राज्य सरकारों के तमाम दावों के बाद भी हर वर्ष ठंड शुरू होते ही देश के एक बड़े हिस्से में वायु प्रदूषण एक गंभीर संकट का रूप ले लेता है। चूंकि ऐसा वर्षों से होता चला आ रहा है, इसलिए इस नतीजे पर पहुंचने के अलावा और कोई चारा नहीं कि वायु प्रदूषण के कारणों का निवारण करने के मामले में केवल कोरे वादे किए जा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2019 की रिपोर्ट के अनुयार देश के 99.5 प्रतिशत जिलों में हवा खराब है। लेकिन केन्द्र ओर राज्य सरकार ने अब तक इससे निपटने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा पाई है। दूसरी तरफ वायु प्रतिवर्ष विकराल रूप धारण करता जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 39 शहर हमारे देश से हैं। इनमें 20 शहर उत्तर प्रदेश के हैं। केंद्र की आईएमडी विभाग की वेबसाइट से पता चलता है कि दिल्ली में 70 फीसदी प्रदूषण बाहरी राज्यों से आ रहा हैं। इसको लेकर दिल्ली की आप सरकार ने बाहरी राज्यों से दिल्ली में आ रहे प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए आवाज उठाई तो केंद्र ने उस वेबसाइट पर आंकड़े देने बंद कर दिए। केजरीवाल सरकार ने उत्तर भारत के सभी राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों की एक उच्चस्तरीय मीटिंग बुलाई जाए और सफर वेबसाइट पर आंकड़े देना शुरू किया जाए। आकड़ो के मुताबिक एनसीआर में 2000 ईंट के भट्ठे हैं जो पुरानी तकनीक से चल रहे हैं। उसमें से 150 भट्ठे गाजियाबाद व 250 मुजफ्फरनगर में हैं। इनका धुआं दिल्ली में आता है। एनजीटी ने आर्डर पास किया कि सभी इंडस्ट्रीज को स्वच्छ ईंधन यानी कि पीएनजी पर चलाया जाए। वैश्विक रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि दिल्ली में वाष्पों का हानिकारक मिश्रण यहाँ के निवासियों की जीवन प्रत्याशा से लगभग 12 वर्ष की कटौती कर रहा है। यह प्रशासनिक उदासीनता की एक भयावह तस्वीर पेश करता है जिसके कारण साल दर साल वायु की गुणवत्ता बिगड़ती जा रही है और स्टॉप–गैप उपायों के साथ केवल तभी हस्तक्षेप किया जाता है जब साँस लेना सचमुच अत्यंत कठिन हो जाता है। शिकागो विश्वविद्यालय के ऊर्जा नीति संस्थान की वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक 2023 रिपोर्ट में पाया गया कि दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम का प्रदर्शन वैश्विक स्तर पर सबसे बदतर रहा। भारत में, उत्तरी मैदान जहाँ देश की लगभग 40 प्रतिशत आबादी निवास करती है वहा का वायु प्रदर्शन सबसे खराब पाया गया,जहाँ प्रदूषण के कारण औसत निवासी की जीवन प्रत्याशा लगभग आठ वर्ष कम हो जाती है। वायुमंडल में ऐसे पदार्थों की उपस्थिति के कारण घटित वायु दूषण या संक्रमणकी स्थिति है जो मनुष्यों और अन्य जीवित प्राणियों के स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है अथवा जलवायु या अन्य पदार्थों को क्षति पहुँचाता है। पार्टिकुलेट मैटर यानि की ये छोटे ठोस या तरल कण होते हैं जो वायु में निलंबित स्थिति में पाए जाते हैं। वे धूल, परागकण और ज्वालामुखी विस्फोट जैसे प्राकृतिक स्रोतों से अथवा जीवाश्म ईंधन, लकड़ी एवं अपशिष्ट के दहन जैसी मानवीय गतिविधियों से अथवा खनन, निर्माण एवं कृषि जैसी औद्योगिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न होते हैं। पीएम 2 और पीएम 10 से अधिक खतरनाक है क्योंकि यह फेफड़ों एवं रक्तप्रवाह में गहराई तक प्रवेश कर सकता है और कहीं अधिक स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा कर सकता है। ओजोन ओ 3 ऐसी गैस है जो तब बनती है जब सूर्य की किरणें वायु में नाइट्रोजन ऑक्साइड और वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों के साथ प्रतिक्रिया करती हैं।ओजोन लाभदायक या हानिकारक हो सकती है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि यह वायुमंडल में कहाँ मौजूद है।समताप मंडल में उपस्थित ओजोन पृथ्वी को सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाती है।हालाँकि, क्षोभमंडल में यह एक प्रदूषक है जो आँख, नाक एवं गले में जलन पैदा कर सकता है, फेफड़ों को क्षति पहुँचा सकता है और श्वसन संबंधी रोगों का कारण बन सकता है।नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (छद्2)रू यह एक गैस है जिसका निर्माण तब होता है जब नाइट्रोजन ऑक्साइड वायु में उपस्थित ऑक्सीजन के साथ प्रतिक्रिया करती है। इसके अलावा वायु मण्डल में एनओएक्स मोटर वाहनों, बिजली संयंत्रों और औद्योगिक बॉयलरों जैसी दहन प्रक्रियाओं से उत्सर्जित होती है। जिससे खांसी, घरघराहट और साँस लेने में कठिनाई पैदा कर सकती है और संक्रमण एवं एलर्जी का खतरा बढ़ा सकती है। इसके अलावा कार्बन मोनोऑक्साइड एक रंगहीन, गंधहीन गैस है जो गैसोलीन, डीजल, कोयला, लकड़ी और चारकोल जैसे कार्बन–युक्त ईंधन के अपूर्ण दहन से उत्पन्न होती है। इसके कारण शरीर के अंगों और ऊतकों, विशेषकर हृदय एवं मस्तिष्क तक पहुँचने वाली ऑक्सीजन की मात्रा को कम कर सकती है।इसके उच्च स्तर से संपर्क सिरदर्द, चक्कर आना, मतली, थकान, भ्रम और यहाँ तक कि मृत्यु का भी कारण बन सकता है। इसके साथ ही वायु मण्डल में सल्फर डाइऑक्साइड स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने के साथ ही कार्बन डाइऑक्साइड एवं मीथेन जैसी अन्य ग्रीनहाउस गैसों के साथ अंतःक्रिया करता है और उनके वार्मिंग प्रभाव को बढ़ा देता है। ग्रीनपीस इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 287 कोयला–आधारित तापीय बिजली संयंत्रों में से 139 वर्ष 2019 में पर्यावरण मंत्रालय द्वारा निर्धारित उत्सर्जन मानदंडों का उल्लंघन कर रहे थे। ये संयंत्र सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, सीसा, पारा और टब्बे उत्सर्जित करते हैं, जो अम्लीय वर्षा, स्मॉग, जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं। देश में कोयला, तेल या प्राकृतिक गैस का ईंधन के रूप में उपयोग करने वाले बिजली संयंत्र, कारखाने और घर भी ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कर वायु प्रदूषण में योगदान करते हैं। विश्व बैंक समूह के अनुसार, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद भारत विश्व में सीओ टू का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है।फसल अवशेष या पराली दहन, उर्वरकों एवं कीटनाशकों का उपयोग और पशुधन पालन जैसी कृषि संबंधी गतिविधियाँ भी भारत में वायु प्रदूषण का कारण बनती हैं।विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 800 मिलियन से अधिक लोग रसोई के लिये ठोस ईंधन पर निर्भर हैं। ये ईंधन कोयले की तुलना में पाँच गुना अधिक सांद्रता में धुआँ और इनडोर वायु प्रदूषक पैदा करते हैं। ये प्रदूषक आँखों में जलन, फेफड़ों में संक्रमण, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज और समयपूर्व मौत का कारण बन सकते हैं। कूड़ा–कचरा जलानारू भारत में बहुत से लोग अपने घरेलू कूड़े–कचरे को खुली जगहों पर जलाकर उसका निपटान करते हैं। यह अभ्यास हवा में जहरीले रसायन और डाइऑक्सिन छोड़ता है, जो कैंसर और अन्य बीमारियों का कारण बन सकता है।'द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट' के एक अध्ययन के अनुसार, सर्दियों के मौसम के दौरान दिल्ली के पीएम 10 सांद्रता में अपशिष्ट दहन का योगदान 29 प्रतिशत था।अपशिष्ट दहन से ब्लैक कार्बन भी उत्सर्जित होता है, जो एक अल्पकालिक जलवायु प्रदूषक है और यह ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ा सकता है।गाय और भैंस जैसे जुगाली करने वाले पशुओं की पाचन प्रक्रियाओं से मीथेन का उत्सर्जन ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में एक उल्लेखनीय योगदानकर्ता है। 100 वर्ष की अवधि में मीथेन की ग्लोबल वार्मिंग क्षमता कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में 28 गुना अधिक होती है।इसके अतिरिक्त, पशुओं के अपशिष्ट और शवों के अपघटन से अमोनिया, हाइड्रोजन सल्फाइड और वाष्पशील कार्बनिक यौगिक जैसे प्रदूषक निकलते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का बूचड़ उद्योग प्रति वर्ष लगभग 2.7 मिलियन टन ठोस अपशिष्ट और 3.6 बिलियन लीटर अपशिष्ट जल उत्पन्न करता है। बहरहाल मानव जीवन के लिए हानिकाकरक गैस सल्फर डाईआक्साइड़, कार्बन डॉईआक्सााइड़, मोनो ऑक्साइड़, नाईट्रोजन ऑक्साइड़, टाई ऑक्साइड़, क्लोरोफ्लो कार्बन और अस्थिर कार्बन योगिक की ऐसी तमाम रिपोर्ट और आकड़े है जो इस बात का प्रमाण है कि देश में वायु प्रदूषण जानलेवा होता जा रहा है। वायु प्रदूषण से हजारों जाने जा रही है लेकिन राज्य और केन्द्र सरकार इस दिशा में कोई ठोस कदम नही उठा रही है। देश में बुनियादी आजीविका से जुड़े मुद्दे प्रायः चुनावी आख्यान पर हावी रहते हैं, जिससे कार्यकारी को प्रदूषण के मोर्चे पर संवीक्षा से बचने का अवसर मिल जाता है। लेकिन कोई भी देश अपने नागरिकों के स्वास्थ्य की चिंता किये बिना आर्थिक रूप से प्रगति नहीं कर पाया है। सरकार को प्रदूषण से प्रेरित स्वास्थ्य खतरों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। इस क्रम में पहला कदम यह होगा कि वायु संबंधी कार्रवाइयों को महज शीतकालीन कार्रवाई तक सीमित नहीं रखा जाए और समग्र वार्षिक रणनीतियाँ विकसित की जाएँ। वायु प्रदूषण का एक गंभीर पर्यावरणीय चुनौती के रूप में उभार हुआ है। वायु प्रदूषण के प्रमुख कारणों का विश्लेषण करना सरकार के साथ साथ आम जनता का फर्ज है। इसलिए ऐसे उपाय बताने तथा उन पर अमल किया जाए जो वायु प्रदूषण को प्रभावी ढंग से कम कर सकें और भावी पीढ़ियों के लिये स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित कर सकें।

विफल हो चुका है संयुक्त राष्ट्र

इजराइल–हमास युद्ध में 8000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। गाजा पट्टी में घमासान मचा हुआ है। दुनिया भर में विश्व युद्ध शुरू होने का कोहराम मचा हुआ है। रूस–यूक्रेन युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा। बच्चे, वृद्ध, महिलाएं और युवा मारे जा रहे हैं या फिर असहाय दिखाई देते हैं। युद्धों को रोकने के लिए कोई गम्भीर प्रयास नहीं हो रहे। सब एक–दूसरे को विध्वंसक हथियार बेच रहे हैं। मानवता चारों तरफ कराह रही है। संयुक्त राष्ट्र अपनी प्रांसगिकता पूरी तरह खो चुका है। मानवता का ढिंढोरा पीटने वाली बड़ी शक्तियां खेमे में बंट चुकी हैं। अब सवाल यह है कि आज की दुनिया में संयुक्त राष्ट्र जैसी विफल संस्था की कोई जरूरत है।–शांति मनुष्य का स्वभाव है।–लड़ना और हिंसा करना उसकी बाध्यता है।–भूलता वह विचारशील प्राणी है।–हर बार उसने युद्धों से सीख कर शांति की तलाश आरम्भ की है।–शांति ही मनुष्य की अपनी निजता है।यह वृति आज भी बनी हुई है लेकिन युद्ध आज भी होते हैं। युद्धों का स्वरूप पहले से कहीं अधिक खतरनाक हो चला है। यह बात सत्य है कि प्रथम विश्व युद्ध के उपरांत लीग ऑफ नेशन्स की कार्यशैली की असफलता के बाद सारी दुनिया में यह महसूस किया गया कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति प्रसार और सुरक्षा की नीति तक ही सफल हो सकती है। जब विश्व के सारे देश अपने निजी स्वार्थों से उठकर सम्पूर्ण विश्व को एक इकाई समझ कर अपनी सोच को विकसित करें। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र अस्तित्व में आया। तब इसके पांच स्थाई सदस्य बन गए (चीन, फ्रांस, सोवियत संघ (अब रूस), धब्रिटेन और अमेरिका। सोवियत संघ के विखंडन के बाद अब रूस सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य है। मैं इस बात की कल्पना भी नहीं कर सकता कि ऐसे लोग भी पृथ्वी पर हो सकते हैं जो निर्दोष और बच्चों के शवों को देखकर भी ठहाके लगा सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र का एक ही मकसद था विश्व शांति। क्या यह संस्था विश्व शांति कायम करने में जरा भी सफल रही। अमेरिका पर 9ध11 हमले के बाद अमेरिका को अहसास हुआ कि जेहादी फंडामेंटलिज्म का खतरा पैदा हो चुका है। युद्ध उन्माद में उसने पूरे विश्व में से आतंकवाद को खत्म करने का संकल्प लिया और अफगानिस्तान में विध्वंसक खेल खेला। अमेरिका ने रासायनिक हथियारों की खोज के नाम पर इराक में खूनी खेल खेला और सद्दाम हुसैन का तख्ता पलट कर दिया। अमेरिका ने लीबिया और कई अन्य देशों में भी ऐसा ही किया। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका की कठपुतली बनकर रह गया। अफगानिस्तान पर हमले के लिए अमेरिका ने उस पाकिस्तान को अपना साथी बनाया जिसने जिहाद को हर तरह से सींचा। सद्दाम ने तो अमेरिका पर कोई हमला नहीं किया था न ही वह सोच सकता था तो फिर अमेरिका ने इराक पर हमला क्यों किया। कौन नहीं जानता कि अमेरिका का असली मकसद इराक और कुवैत के तेल कुंओं पर नियंत्रण करना था। संयुक्त राष्ट्र के और भी कई लक्ष्य हैं जैसे विश्व आतंकवाद और परमाणु निशस्त्रीकरण इत्यादि। जब परमाणु अप्रसार संधि की बात चली तो वैश्विक शक्तियों ने भेदभावपूर्ण नीति अपनाई। बड़ी शक्तियों ने

तो खुद के पास परमाणु हथियार रखने की बात कही और दूसरों को परमाणु हथियार तबाह करने का उपदेश दिया। संयुक्त राष्ट्र ने अनेक प्रस्ताव पारित किए। आवाज भी उठाई परन्तु वह एक TOOTHLESS TIGER अर्थात दंतहीन सिंह ही साबित हुआ। भारत को संयुक्त राष्ट्र का कड़वा अनुभव है। पंडित नेहरू कश्मीर मसले को संयुक्त राष्ट्र में इसलिए ले गए थे ताकि वह हमारे हक में ठोस फैसला दे। संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता हम मानते जब वह मात्र महाराजा हरिसिंह द्वारा हस्तांरित जम्मू–कश्मीर के भारत में विलय के पत्र के आधार पर 'लोहदंड' का इस्तेमाल कर पाकिस्तान को वहां से जाने को मजबूर कर देता। संयुक्त राष्ट्र संघ ने उस समय भी दोहरी नीति अपनाई। तब से लेकर आज तक कश्मीर मसले पर पाकिस्तान का चरित्र नहीं बदला। भारत कई वर्षों से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का दावा कर रहा है। न तो सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों का विस्तार किया गया है और न ही इसमें व्यापक सुधार किए गए हैं। संयुक्त राष्ट्र की विफलता का सबसे बड़ा कारण यह भी है कि वह अमेरिका की जेबी संस्था बनकर रह गया है। भारत आज वैश्विक आर्थिक ताकत बन चुका है। अमेरिका और रूस के बाद भारत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में महारत हासिल कर चुका है। वह दुनिया में तेजी से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बन चुका है। अब ऐसा लगता है कि सुरक्षा परिषद की सदस्यता लेने का कोई फायदा भी नहीं रहा। भारत ने स्वयं इतनी शक्ति का संचय कर लिया है कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। भारत को पूरे विश्व में यह बात स्पष्ट कर देनी होगी कि हमें सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता मंजूर नहीं। अगर सुरक्षा परिषद की सदस्यता चाहिए तो केवल वीटो शक्ति के साथ। यह भी कितना दुखद है कि सुरक्षा परिषद आज तक आतंकवाद की परिभाषा तय नहीं कर पाया तो उससे और क्या उम्मीद की जा सकती है।

राम लला की दर्शन नए मंदिर में इस दिन से कर सकेंगे भक्त, जानें तारीख

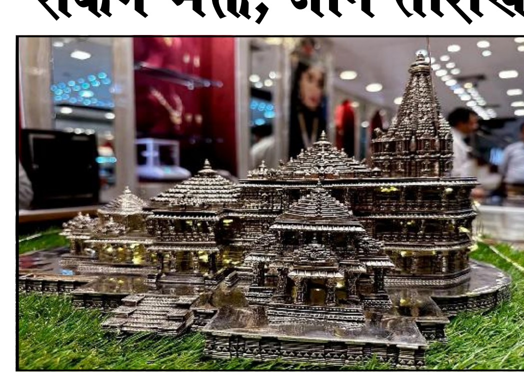

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। राम मंदिर के निर्माण का प्रथम चरण दिसंबर में समाप्त हो जाएगा। इसी बीच भक्तों के लिए एक बड़ी जानकारी सामने आई है। राम भक्त अब राम लला के दर्शन जनवरी 2024 से कर सकेंगे। जानकारी के मुताबिक श्रद्धालुओं के लिए राम मंदिर में दर्शन अगले वर्ष 16 जनवरी से 24 जनवरी के बीच शुरू हो सकता है। इसी दौरान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की जा सकती है।

बता दें कि 16 जनवरी से प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम शुरू होगा जो की 22 जनवरी तक जारी रह सकता है। इस बेहद खास समझ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शिरकत करेंगे। वही भक्तों के लिए रामलला के दर्शन प्राण प्रतिष्ठा होने के दो दिन बाद शुभ मुहूर्त के अनुसार खोले जाएंगे।

जाने कब होगी राम लला की प्राण प्रतिष्ठा

बता दें कि 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में रामलाल की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है। प्राण प्रतिष्ठा करने के लिए शुभ मुहूर्त निकाला जा चुका है जो लगभग दोपहर 12रू30 बजे का है। बता दें कि प्राण प्रतिष्ठा के लिए शुभ मुहूर्त मृगशिरा नक्षत्र को लिया गया है। लगभग मंदिर निर्माण 1 वर्ष पहले शुरू हुआ था जिसमें अब काफी उन्नति हो चुकी है। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर निर्माण का पहला चरण पूरा होने वाला है। पहले चरण का अधिकतर काम पूरा हो चुका है और मंदिर अपना मूर्त रूप ले चुका है। बताने की मंदिर का निर्माण कार्य दो भागों में होना है। पहले चरण के अंतर्गत मंदिर का ग्राउंड फ्लोर बनकर तैयार हो चुका है जो ढाई एकड़ से अधिक जमीन में फैला हुआ है।

जीवन मे जिजीविषा और संघर्ष सफलता के उत्तम मार्ग

मन के जीते जीत है मन के हारे हार। निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता हैस जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता हैस बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैंस सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैंस मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए स यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती हैस जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता हैस यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी हैस

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैंस सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएसइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती हैस और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती हैस भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही हैसऋषि–मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता हैअन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

आन्दोलन की तैयारी में जुटे ग्राम विकास अधिकारी,

सात सूत्रीय मांगों पर प्रदेश स्तर पर बैठक

लखनऊ। ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन की सर्वोच्च परिषद की बैठक डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ भवन प्रेक्षागृह महात्मा गांधी मार्ग पर सम्पन्न हुई। प्रदेश अध्यक्ष सुभाष पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक का संचालन महामंत्री रमेश उदैनिया ने किया। सर्वोच्च परिषद की में पुरानी पेंशन बहाली सहित सात सूत्रीय मांग पर विस्तार से चर्चा की गई। सर्वोच्च परिषद की बैठक में कोषाध्यक्ष जानकीशरण द्वारा आय व्यय का ब्यौरा रखा गया। बैठक में तय किया गया। पुरानी पेंशन योजना बहाली संयुक्त मंच पुरानी पेंशन बहाली आन्दोलन धरना प्रदर्शन, मौन व्रत जुलूस, अनशन, महारैली में एसोसिएशन पूर्ण भागीदारी निभायेगा। ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन की सात सूत्रीय मांगों पर विभागीय प्रमुख सचिव, मुख्य सचिव और विभागीय मंत्री को ज्ञापन के उपरान्त एक निश्चित समयावधि के उपरान्त प्रदेश स्तर पर आन्दोलन शुरू किया जाएगा। सर्वोच्च परिषद की बैठक में पदोन्नति का कोटा 32 प्रतिशत से 50 प्रतिशत, तहसील स्तर पर तहसीलदार और उप जिलाधिकारी की तरह प्रत्येक विकास खण्ड में संयुक्त विकास खण्ड अधिकारी के पद का सृजन कराये जाने, ग्रेड पे 2800 रूपये तथा योग्यता स्नातक किए जाने पर विस्तार से चर्चा की गई। विभिन्न जनपदों से आए प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए संगठन मंत्री दुर्गा प्रसाद राय ने कहा कि गौवंश संरक्षण एवं गौशालाओं के संचालन में संसाधनों का अभाव है। इसके परिणाम स्वरूप अनावश्यक रूप से छोटी छोटी कामियों के आधार पर ग्राम विकास अधिकारियों का उत्पीडन किया जा रहा है जो बर्दाश्त योग्य नही है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितेन्द्र यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री आवास में धनराशि सीधे लाभार्थी के खाते में भेजी जा रही है। ऐसे में अगर लाभार्थी द्वारा समय पर आवास का निर्माण नही कराया जाता तो इस पर ग्राम विकास अधिकारियों का उत्तरादायित्व निर्धारित किया जाता है जो नैसर्गिक कार्यवाही के विपरीत है। बैठक में महामंत्री रमेश उदैनिया ने कहा कि संवर्ग विभिन्न तरह की वेतन विसंगति से जुझ रहा है। संवर्ग के लिए मोटरसाइकिल भत्ते और अनुचर की मांग सदस्यों द्वारा लगातार उठाई जा रही है। प्रदेश अध्यक्ष सुभाष पाण्डे अर्न्तजपदीय स्थानान्तरण, प्रदोन्नति और पुरानी पेंशन बहाली की मांगों पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रदेश भर से आए पदाधिकारियों और सदस्यों को आश्वासन दिया कि शीघ्र ही एसोसिएशन का प्रतिनिधि मण्डल विभागीय प्रमुख सचिव, मुख्य सचिव और विभागीय मंत्री को ज्ञापन के उपरान्त एक निश्चित समयावधि के उपरान्त प्रदेश स्तर पर आन्दोलन शुरू करने की घोषणा करेगा। बैठक के दौरान एसोसिएशन विस्तार में चुने गए पदाधिकारियों को प्रदेश अध्यक्ष ने शपथ दिलाई। बैठक में जालौन, हमीरपुर, गाजीपुर, बाराबंकी, झांसी, एटा, लखीमपुर, देवरिया, कांसगंज, आगरा, शाहजॉपुर, मैनपुरी, चित्रकूट, अमेठी, कौशम्बी, वाराणासी सहित अधिकाधिक जनपदों से पदाधिकारी और सदस्य षामिल रहे।

यूपी में बदल रहा मौसम का मिजाज, सर्दी का एहसास होने लगा सुबह और शाम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब मौसम में बदलाव होने लगा है। सर्दी का सीजन शुरू हो गया है। सुबह और शाम के समय मौसम काफी ठंडा हो जाता है। लेकिन, दोपहर के समय तेज धूप निकलती है। जिससे लोगों को गर्मी का एहसास होने लगता है। वहीं, मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, अब धीरे–धीरे सर्दी बढ़ जाएगी। अगले हफ्ते तक ऐसा ही मौसम रहेगा। आज भी मौसम में कुछ ज्यादा बदलाव नहीं आएगा, सुबह और शाम को सर्दी का एहसास होगा। लेकिन, दिन में अच्छी धूप खिलेगी। फिलहाल, बारिश की भी कोई चेतावनी नहीं है। प्रदेश में पिछले 24 घंटों में सभी मंडलों के तापमान में कोई खास बदलाव देखने को नहीं मिला। अयोध्या, प्रयागराज मंडलों में दिन के समय धूप निकली, जिसके चलते तापमान सामान्य से अधिक ही रहा। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में 3 नवंबर तक मौसम शुष्क ही रहने वाला है और कहीं के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। हालांकि नवंबर के दूसरे हफ्ते में सर्दी बढ़ सकती है। पिछले 24 घंटे में वाराणसी में अधिकतम तापमान 34.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया और न्यूनतम तापमान बरेली में रहा, जो करीब 13.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यूपी में कुछ इलाके ऐसे है जहां पर प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। जैसे–जैसे सर्दी बढ़ रही है वैसे–वैसे हवा की गुणवत्ता पर भी इसका असर देखने को मिल रहा है। खासतौर से दिल्ली से सटे यूपी के जनपदों नोएडा, गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा की आबोहवा खराब हो रही है। गाजियाबाद के लोनी में तो लगातार हवा में एक्यूआई लेवल 300 से ज्यादा बना हुआ है, जो बेहद खराब हवा की श्रेणी में आता है। प्रदूषण की वजह से लोगों का दूषित हवा में सांस लेना मुश्किल हो गया है। विभाग के मुताबिक, अब आने वाले समय में प्रदूषण का स्तर और बढ़ने की संभावना है, जो लोगों के लिए काफी खतरनाक होगा। इसलिए लोगों को सावधान रहने की जरूरत है।

एसजीपीजीआई में पूर्व सांसद पुत्र की मौत का मामला,

इलाज नही मिलने से हुई थी मौत, ईएमओ के बाद कुछ अन्य पर गिर सकती हैं गाज

लखनऊ। एसजीपीजीआई में बांदा के पूर्व सांसद भैरव प्रसाद मिश्रा के पुत्र प्रकाश मिश्रा की मौत का मामला तूल पकड़ने के बाद अब चिकित्सा संस्थान प्रशासन हरकत में आया था। प्रकरण की जांच रिपोर्ट निदेशक की तरफ से चिकित्सा शिक्षा विभाग को भी सौंप दी गई हैं। अब अटकलें ये भी हैं कि ड्यूटी पर मौजूद मेडिकल अफसर के अलावा कुछ अन्य पर भी कार्रवाई की जा सकती हैं। इससे पहले सोमवार को ही डिप्टी सीएम स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने ड्यूटी पर तैनात इमरजेंसी मेडिकल अफसर को हटाने के आदेश दे दिए थे। घटना के बाद एसजीपीजीआई निदेशक प्रो.आरके धीमन ने सीएमएस की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया गया था। 2 दिन के भीतर ही जांच पूरी करके रिपोर्ट देने को कहा गया था। 2 दिन की मियाद सोमवार को पूरी होनी थी। इस बीच 3 सदस्यीय जांच समिति ने 2 दिन में जांच पूरी करके रिपोर्ट निदेशक प्रो. आरके धीमन को सोमवार रात 9.30 को सबमिट कर दिया। बाद में निदेशक ने रिपोर्ट चिकित्सा शिक्षा विभाग को सौंप दी।कहा जा रहा हैं कि निदेशक की तरफ से कुछ अन्य लोगों के खिलाफ भी लापरवाही बरतने के कारण कार्रवाई करने की बात कही गई हैं। हालांकि अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नही हैं। इससे पहले सोमवार को ही इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डा. चंद्रशेखर बाजपेयी को संस्थान की सेवाओं से कार्यमुक्त कर दिया गया। ईएमओ की तैनाती पीएमएस सेवा के तहत एसजीपीजीआई के इमरजेंसी मेडिसिन विभाग में की गई थी। संस्थान में लगातार इमरजेंसी मेडिसिन विभाग के बेड की संख्या में इजाफा करने का दावा किया जा हैं। इसके लिए अनुभवी मेडिकल डॉक्टर्स की व्यवस्था चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई हैं। यही कारण हैं कि संस्थान में पीएमएस संवर्ग के डॉक्टरों की भी तैनाती हैं। एसजीपीजीआई निदेशक प्रो.आरके धीमन ने बताया कि जांच रिपोर्ट शासन को भेज दी गई हैं। एसजीपीजीआई की पहचान मरीजों के बेहतरीन इलाज को लेकर हैं। यही कारण हैं कि यहां मरीजों को ही सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती हैं। इस मामले में बिना देरी तत्काल एक्शन लिया गया हैं। इसके अलावा और भी जो दोषी पाए गए उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। इसके अलावा इमरजेंसी मेडिसिन की व्यवस्था को बेहतर करने की हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

एमए की छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान,हथेली पर लिखा मिस यू पापा

लखनऊ। मोहनलालगंज इलाके में एमए की छात्रा ने खुदकुशी कर ली। छात्रा के हाथ पर मिस यू पापा लिखा था। पुलिस ने एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है। घटना के दौरान छात्रा घर में अकेली थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। प्रेम–प्रसंग में आत्महत्या करने की बात सामने आई है। मामला लखानऊ के मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के उत्तरगांव का है। जहां पंडित लालता प्रसाद डिग्री कालेज, भवानीगंज, उन्नाव में एमए द्वितीय वर्ष की 23 साल की छात्रा पिंकी यादव ने आत्महत्या कर ली। छात्रा ने घर में लोहे के छल्ले में दुपट्टे से फंदा डालकर फांसी लगाई। परिजन खेत में काम करने गए थे, वापस लौटे तो घर का दरवाजा नहीं खुला। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने छात्रा के शव को फंदे से नीचे उतारा। पुलिस ने छात्रा के मोबाइल फोन के कवर से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है। जिसमें प्रेम प्रसंग में आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है। पिंकी के पिता राकेश कुमार किसान है। परिवार में पिंकी अपने तीन भाइयों महिपाल,अमरेन्द्र, शमशेर की अकेली बहन थी। पिंकी की मौत के बाद उनकी मां विद्यावती का रो–रो कर बुरा हाल है। छात्रा पिंकी यादव की हथेली पर लिखा था – श मेरे मोबाइल के कवर में एक पर्ची है। मिस यू पापा. ... जिसके बाद पुलिस ने छात्रा का मोबाइल फोन बरामद कर सुसाइड नोट अपने कब्जे में ले लिया। जानकारी के मुताबिक सुसाइड नोट में प्रेम प्रसंग के कारण आत्महत्या करने की बात लिखी हुई है।

फिलिस्तीनियों के लिए दुनिया बन गई है जेल : अफाक

लखनऊ। राष्ट्रीय सामाजिक कार्य कर्ता संगठन के संयोजक मोहम्मद अफाक ने जारी अपने बयान में कहा कि फिलिस्तीन में मारे जा रहे बच्चों, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की तस्वीरें देखकर दिल काँप जाता है। उन्होंने कहा कि सभी देशों की निंदा के शब्द, खेद और संवेदना के सभी शब्द, अभिव्यक्ति के सभी तरीके और अफसोस के सभी तरीके निरर्थक हैं। जबकि टीवी स्क्रीन और सोशल मीडिया पर दृश्य दिल दहला देने वाले हैं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फिलिस्तीनी बच्चों और महिलाओं की दिल दहला देने वाली छवियों और चीखों से भरे हुए हैं। मासूमों की लाशें, कुछ जिंदा और कुछ मरे हुए, घायल और घायल युवा, मरने वाले सभी एक ही रंग और नस्ल के हैं, जिनका खून तेल की कुछ बूंदों से सस्ता है। मुहम्मद अफाक ने कहा कि फिलिस्तीनियों का खून और पसीना बह रहा है। इंसानियत के माथे से शर्मिंदगी का पहाड़ टूट रहा है. जरा सोचिए कि इस बच्चे का क्या कसूर था जिसके जन्म से पहले ही मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया? 57 मुस्लिम देश जो हर दिन फिलिस्तीन के कब्रिस्तान में मारे गए निर्दोष मुसलमानों के दृश्य देखते हैं। डेढ़ अरब मुसलमान दुनिया की आबादी का 21 प्रतिशत हैं। यमन जैसे गरीब इस्लामिक देश में विद्रोही समूह को नियंत्रित करने वाली महान इस्लामिक सेना इजराइल के सामने न केवल चुप है, बल्कि इसके बारे में सोच भी नहीं रहा है। तेल संपदा से समृद्ध। अरब देश निंदा के प्रस्तावों पर भरोसा करते हैं और इकबाल के शनिहत्थेश सैनिक दिखते हैं। बेबसी की तस्वीर. इस्लामिक देशों के प्रतिनिधि संगठन ओआईसी की असाधारण बैठक भी इजराइल को अपनी जगह से जरा भी नहीं हिला पाई है. निंदा प्रस्ताव और विरोध प्रदर्शन इजराइल की निर्दयी तोपों के दरवाजे बंद नहीं कर पाए हैं. अरबों मुसलमानों की सामूहिक प्रार्थनाएँ इसराइल की तोपों में कीड़े नहीं डाल सकीं और श्इजराइल मुर्दाबादश आदि के नारे जायोनी इरादों को परास्त नहीं कर सके। अंत में, मुहम्मद अफाक ने कहा कि दुनिया भर के मुसलमानों को उन लोगों को याद करना चाहिए जो शहीद हुए हें फिलिस्तीन में। गएबाना नमाज पढ़ी जानी चाहिए और उस पर किसी भी देश में कोई प्रतिबंध नहीं है। अगर जुमे की तरह इसका एलान होता है तो हर मस्जिद में नमाज और शहीदों के लिए मगफिरत की दुआएं हो सकती हैं, लेकिन किसी ने ये भी पहल नहीं की।

ट्रक से टकराई बाइक,एक की मौत, दूसरा घायल

बांदा। जिले में सोमवार की देर रात को बाइक सवार सड़क किनारे ट्रक से टकरा गई। जिसकी वजह से एक युवक की मौके पर मौत हो गई। वहीं दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जैसे ही लोगों ने देखा, तो तुरंत पुलिस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर घायल व्यक्ति की हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। आपको बता दे की पूरा मामला बांदा जनोद के बबेरू थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरवल गांव के पास का है। जहां पर बाइक सवार अनिल और धन्यजन्य पल्हरी से गांव जा रहे थे। तभी रास्ते में सड़क किनारे खड़े ट्रक में बाइक टकरा गई। जैसे ही ग्रामीणों ने देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर डॉक्टर ने देखते ही एक व्यक्ति अनिल को मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरा व्यक्ति धन्यजय की हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं डॉक्टर अभिषेक ने बताया की सड़क दुर्घटना में दो लोगों को लाया गया था। जिसमें से एक युवक की मौत हो गई है। वहीं दूसरे युवक की हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

बीकेटी में सरकारी जमीन में कब्जे को लेकर दो पक्षों में चले लाठी-डंडे

बीच-बचाव कराने आईं सभासद पर भी हमला, भागकर बचाई जान

लखनऊ। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र में सरकारी जमीन पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में धारदार हथियार और लाठी डंडों से हमला हो गया। मंगलवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष में खूनी संघर्ष में एक पक्ष के चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए। वहीं विपक्ष से एक व्यक्ति मामूली रूप से घायल हुआ है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। वहीं समझौता कराने गई क्षेत्रीय महिला सभासद बाल बाल बचीं। लखनऊ कमिश्नरेट के बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र में बरगदी गांव में सरकारी भूमि पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे और धारदार हथियार चले। मंगलवार को हुए इस झगड़े में एक पक्ष के सुंदर लाल गौतम, पत्नी रन्नोदेवी, मुकेश, राजकुमारी गम्भीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं दूसरे पक्ष से अशोक कुमार मामूली रूप से चोटिल हुए। बीकेटी पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। बरगदी वार्ड नंबर 12 की सभासद फूलमती ने बताया कि सुंदरलाल गौतम व दूसरे पक्ष के अशोक कुमार सरकारी जमीन पर कब्जे को लेकर आपस में झगड़ रहे थे। जानकारी पाकर जब मैंने मौके पर पहुंचकर मामले को शांत करने का प्रयास किया तो अशोक कुमार व उनके लोग हम पर भी हमला करने का प्रयास किया, लेकिन किसी तरह मैंने भागकर अपनी जान बचाई। वहीं सभासद पति हरिकेश पर भी लाठी पड़ी, जिसमें उनकी जेब में रखा मोबाइल फोन टूट गया। अशोक कुमार व उनके परिवार के लोगों ने सुंदरलाल गौतम व उनके परिवारजनों पर लाठी डंडे व धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिसमें सुंदर लाल गौतम, रन्नो देवी, मुकेश राजकुमारी घायल हो गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले गई। इस संबंध में घायल पक्ष की तरफ से सभासद और परिजनों ने थाने में लिखित तहरीर दी। पुलिस जांच में जुटी है।

अवैध खनन को लेकर पकड़ी गई पोकलैंड व मोटरसाइकिल को किया सीज

लखनऊ। बीती देर रात एसडीएम ने मलिहाबाद तहसील के मलहा गांव में हो रहे अवैध खनन पर मौके से पोकलैंड पकड़ा है। अवैध खनन की कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। देर रात करीब 1 बजे एसडीएम मीनाक्षी पांडेय ने मौके पर जाकर हो रहे अवैध खनन को लेकर कार्रवाई की। वहीं इस दौरान अवैध खनन कर रहे खनन माफिया भागने में सफल रहे। एसडीएम ने क्षेत्रीय खनन अधिकारी व तहसील टीम को खेत की पैमाइश करने के निर्देश दिए। वहीं मौके से पकड़ी पोकलैंड व बाइक को जब्त कर सीज करने की कार्रवाई की गई। इन दिनों आउटर रिंग रोड निर्माण में मिट्टी का काम चल रहा है। इसी का फायदा उठाकर अवैध खनन माफिया रात के अंधेरे में मिट्टी को बाहर बेचते है। कुछ दिन पहले ही तहसील क्षेत्र के अवैध खनन की शिकायत आई है। इसके चलते रसूलपर गांव में अवैध खनन पर बड़ी करवाई की गई थी। लेकिन इसके बावजूद भी खनन माफिया को प्रशासन का किसी बात का डर नहीं है।

आजम के जौहर ट्रस्ट से वापस ली गई जमीन

लखनऊ। सीतापुर जेल में बंद सपा नेता आजम को एक और झटका लगा है। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में हुई कैबिनेट बैठक में

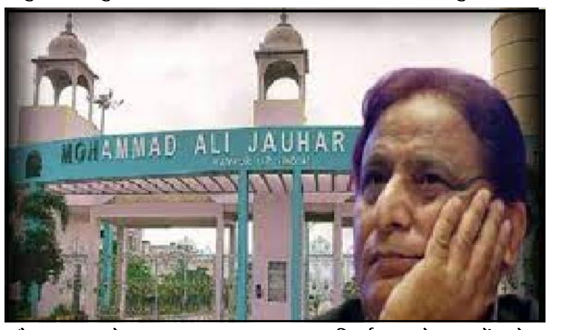

जौहर ट्रस्ट को 100 रुपए सालाना किराए पर 30 साल के लीज पर दी गई जमीन को शिक्षा विभाग को वापस देने का प्रस्ताव पास हो गया। सपा सरकार में शिक्षा विभाग की 41181 वर्गफुट की जमीन जौहर ट्रस्ट को दी गई थी। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आज हुई कैबिनेट बैठक में 21 में से 20 प्रस्तावों पर मुहर लगी। जिन प्रस्तावों पर लगी मुहर उनमें क्रमशःमिर्जापुर–सोनभद्र में बनेगा एससी एसटी संग्रहालय,आगरा, गाजियाबाद, गोरखपुर, बनारस, मथुरा, लखनऊ में बनेंगे नए थाने,रामपुर में स्कूल के नाम पर लीज पर दी गई भवन व 41 हजार 181 वर्ग फीट जमीन ली गई वापस,मुरादाबाद, देवीपाटन, विंधयाचल मंडल में बनेगा नया विश्वविद्यालय,पीएम उज्ज्वला योजना के लाभार्थी को दीपावली पर मिलेगा निशुल्क सिलेंडर नई शीरा नीति को मंजूरी,कुशीनगर में 228 करोड़ की लागत से जेल के प्रस्ताव को मंजूरी,पीपीपी मॉडल पर संचालित किए जाएंगे राजकीय पॉलिटेक्निक और औद्योगिक संस्थान,ईओडब्ल्यू में राज्य विशेष अनुसंधान दल के विलय को मंजूरी,सीबीसीआईडी में विशेष अनुसंधान शाखा कॉपरेटिव के विलय की मंजूरी,यूपी112 आपातकालीन सेवा को आगामी 3 वर्ष के लिए आगे बढ़ाया गया,यूपी–112 में सुधार कर 13 मिनट किया गया आपातकालीन सेवा का रिस्पांस,ई पॉस मशीन हेतु ई निविदाओ के संबंध मे प्रस्ताव पास और पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के माध्यम से राज्य के पॉलिटेक्निको व आई टी आई को संचालित करने के संबंध मे प्रस्ताव को मंजूरी मिली है।

अखिलेश बोले, मेरे एपल फोन की जासूसी हो रही,कंपनी से मेल आया है

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, एपल कंपनी से मेल आया है। मेरे एपल के फोन को हैक किया गया है। पहले जो सरकार थी, उसमें भी हमारे परिवार के फोन की जासूसी कराई थी। लेकिन सरकार चली गई। ये सरकार भी जाने वाली है। उन्होंने कहा, बहुत दुख की बात है कि इस तरह का काम किया जा रहा है। एक मैसेज आया है। जिससे मुझे जानकारी हुई कि स्टेट एजेंसी मोबाइल में जासूसी कर रही है। जनता आपके खिलाफ है, तो जासूसी करके क्या करेंगे? डेमोक्रेसी में इसके लिए कोई जगह नहीं है। इसकी जांच हो कि ऐसा क्यों हो रहा है? जासूसी से कुछ होने वाला नहीं हैं, अब जनता भी आपके साथ नहीं है।

मंगलवार को सपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अखिलेश ने बीजेपी के दलित सम्मेलन पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा यह बीजेपी के वही लोग हैं, जो लोगों से मिलने से पहले उनको नहाने के लिए कहते हैं। कानपुर में बच्चे की किडनैपिंग–मर्डर पर अखिलेश ने कहा ,क्या यही सरकार का लॉ एंड ऑर्डर है, दूसरे प्रदेशों के ताला लगाएंगे, तो हम अगली बार माल्यार्पण करने के लिए गेट फांदकर जाएंगे। अखिलेश ने कहा, सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती पर पुष्प अर्पित किए हैं। गांव में

अधिकारी बुलाए जा रहे हैं। पुलिस से पॉलिटिकल फायदे लिए जा रहे हैं। इलाहाबाद, चित्रकूट में भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। उन्होंने कहा, जिनका कोई परिवार नहीं है, वो परिवार का दुख नहीं समझ सकते हैं। 115 करोड़ लोग भाजपा से नाराज हैं। क्या सभी लोगों को जेल भेज देंगे? अगले साल भी अगर जेपीएनआईसी पर पढ़े–लिखे लोग मिट्टी से जुड़े रहे। 22 नवंबर को मेमोरियल की नींव रखी जाएगी। उम्मीद है नवंबर 2027 तक मेमोरियल बनके तैयार होगा। सरकार आरक्षण खत्म करना चाहती है। जय प्रकाश नारायण की जयंती पर उनकी प्रतिमा को प्लास्टिक से ढक रखा था। ये ठीक नहीं है।

फिजिक्स वाला विद्यापीठ सेंटर्स की संख्या 74 तक पहुंची,

छात्रों के लिए शिक्षा प्राप्त करना और भी सुलभ हुआ। वंचित क्षेत्रों तक पहुंची शिक्षा

लखनऊ। भारत की अग्रणी एडटेक कंपनी फिजिक्स वाला के ऑफलाइन सेंटर्स विद्यापीठ की संख्या पूरे भारत के 50 शहरों में 74 तक पहुंच चुकी है। इनका उद्देश्य छात्रों को उनके गृहनगर के करीब ही उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा पहुंचाना है। इससे उन्हें दूसरे शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हम उनको आसानी से सीखने की हर सुविधा पहुंचाना चाहते हैं। पीडब्ल्यू विद्यापीठों में अपनी ऑफरिंग्स के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए 10 विद्यापीठ सूचना केंद्र और 27 शहरों में 28 पाठशालाएं भी संचालित करता है, जहां हाइब्रिड कक्षाएं चलती हैं। इसके अतिरिक्त, पीडब्ल्यू फिजिक्स वाला नेशनल स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट (पीडब्ल्यूएनसैट) के दूसरे चरण का भी शुभारंभ करेगा, जिसमें 200 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों और जेईई या नीट के इच्छुक छात्रों के लिए ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड में परीक्षाएं कराई जाएंगी। जिसमें सौ फीसदी तक छात्रवृत्ति पाने का मौका है। ये 26 नवंबर से 10 दिसंबर तक (ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में) आयोजित की जाएंगी।फिजिक्स वाला में विद्यापीठ ऑफलाइन के सीईओ अंकित गुप्ता ने कहा, हम इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि प्रत्येक छात्र को अपने गृहनगर में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा मिले, जिससे अच्छी एजुकेशन के लिए उन्हें दूर न जाना पड़े। वे आराम से मन लगाकर अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे सकें और उनके माता–पिता पर आर्थिक बोझ कम हो सके। इसके अलावा, हमारा लक्ष्य भारत के हर शहर में एडुकेशन सेंटर स्थापित करना है। विद्यापीठों के विस्तार और पीडब्ल्यूएनसैट के दूसरे चरण की शुरुआत के साथ, हम इस लक्ष्य की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं, जिससे छात्रों को दोनों दुनियाओं का सर्वश्रेष्ठ प्रदान किया जा सके। पूरे भारत में शैक्षिक परिदृश्य को बेहतर बनाने के लिए हम दृढ़ हैं। पीडब्ल्यू अब पूरे भारत के 76 शहरों में है, जिसमें डेढ़ लाख छात्र हैं। इसके सेंटर्स एक व्यापक कोर्स कराते हैं, जिसमें छात्रों को जेईई/नीट के लिए आवश्यक सभी सामग्री शामिल हैं। पीडब्ल्यू का लक्ष्य अगले साल इन सेंटर्स में ढाई लाख छात्रों का नामांकन करना है।

बैंक से ज्यादा ब्याज दिलवाने के नाम पर ठगी,

निजी बैंक का कर्मी बता खुलवाया खाता, चेक बुक नहीं दी

लखनऊ। लखनऊ में एक ठग ने खुद को हजरतगंज स्थित एक निजी बैंक का कर्मचारी बताकर अपनी परिचित महिला को ज्यादा ब्याज दिलाने की स्कीम बता कर खाता खुलवा दिया। इसके साथ ही कुछ सादे कागजों पर साइन करवाकर चेक बुक भी अपने पास रख ली। जिसकी मदद से खाते से 5.30 लाख रुपए निकाल लिए। पीड़िता का बैंक जाने पर खाते ट्रांजेक्शन का पता चला। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने पैसा मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। ठाकुरगंज थाना पुलिस एफआईआर दर्ज मामले की जांच कर रही है। बड़ी मस्जिद मुसाहिबगंज निवासी जहीन के मुताबिक उनके परिचित जहान आलम उर्फ सोनू ने पिछले दिनों बताया कि उसकी नौकरी हजरतगंज स्थित यश बैंक में लग गई है। साथ ही बैंक की स्कीम की एक स्कीम बताते हुए कहा कि यदि मेरी बैंक में एक साथ 20 लाख रुपए जमा करोगी। तो हर महीने 13 सौ रुपए ब्याज मिलेगा। इसके अलावा तिमाही जमा रकम पर पांच प्रतिशत की दर से रिटर्न भी दिया जाएगा। उसकी बातों पर विश्वास कर बैंक में खाता खुलवा दिया। जिसमें मकान बिक्री का मिले 24.50 लाख रुपए जमा कर दिए। जिसके बाद सोनू ने अकाउंट चेक बुक का गलत फायदा उठाते हुए 5.30 लाख रुपये निकाल लिए। ठगी की जानकारी पर एसीपी कैसरबाग से मिलकर शिकायत की। जिनके निर्देश पर ठाकुरगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

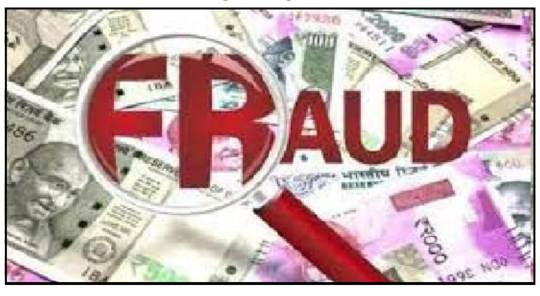

गलगोटियास विवि में विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन होगा

गौतम बुद्ध नगर में देश विदेश के शिक्षाविद, वैज्ञानिक, चिकित्सक होंगे शामिल

नोएडा। जी–20 की भारत की अध्यक्षता के समर्थन में गलगोटियास विश्वविद्यालय और पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए इंडिया) दिल्ली संयुक्त रूप से चौथे विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2023 (सम्मेलन पुरस्कार प्रदर्शनी) का आयोजन करने जा रहा है। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम होगा, जिसमें देश विदेश से वक्ता शामिल होंगे। इस विशाल अधिवेशन की की सबसे बड़ी विशेष बात ये है कि इसमें सीएसआईआर–एनईईआरआई, डॉ. भीम राव अंबेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, कोलकाता, एमओईएफ एंड सीसी, भारत सरकार, जीआरसी इंडिया, एमएसएमईसीसीआईआई के साथ सहयोग और विला कॉलेज मालदीव, त्रिभुवन विश्वविद्यालय और काठमांडू, नेपाल के साथ विदेशी साझेदारी में 4–6 नवंबर 2023 को (4 और 5 नवंबर को हाइब्रिड मोड द्वारा) और (6 नवंबर को ऑनलाइन मोड द्वारा) गलगोटियास यूनिवर्सिटी, यमुना एक्सप्रेसवे, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश (भारत) के साथ जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफ बांग्लादेश भी शामिल हैं। इस सम्मेलन में दुनियाभर के शिक्षाविद, वैज्ञानिक, चिकित्सक, नीति निर्माक, शोधकर्ता, पर्यावरणवादी, शिक्षाविद, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, सिविल सोसायटी, औद्योगिक जगत के प्रतिष्ठित व्यक्तियों और छात्रों के बड़ी संख्या में भागीदारी की उम्मीद हैं। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ. के. मल्लिकार्जुन बाबू ने कहा कि वृद्धि, शहरीकरण और औद्योगिकी से उत्पन्न वैशिष्ट्य ग्रोथ के परिपरिणामस्वरूप बढ़ती वैशिष्ट्य ग्रोथ, वातावरण प्रदूषण, और जलवायु परिवर्तन जैसी वैशिष्ट्य ग्रोथ से उत्पन्न होने वाली वैशिष्ट्य समस्याओं को तेजी से समाधान की आवश्यकता है। 2030 के लिए संवर्द्धनशील विकास और पैरिस समझौता ने उद्देश्यों को निर्धारित किया है, लेकिन प्रगति सीमित रह गई है। विश्व पर्यावरण सम्मेलन मिलन 2023 इन समस्याओं का समाधान करने के लिए हिस्सेदारों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है। गलगोटियास विश्वविद्यालय के डायरेक्टर ऑपरेशन आराधना गलगोटिया ने कहा कि चार महाद्वीपों के प्रतिनिधियों और 22 भारतीय राज्यों से सक्रिय प्रतिभागी जुटे हुए हैं। कुल प्रतिभागी गणना 600 से अधिक हो चुकी हैं, जिससे यह भारत के पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान केंद्रित किए गए, एक सबसे बड़े संगठन में से एक बन गया है। इस सम्मेलन ने अपने 20 विविध उपविषयों के साथ वैश्विक महत्व प्राप्त किया है।

यूपी कैबिनेट बैठक: एफडीआई के माध्यम से निवेश पॉलिसी समेत बिस प्रस्ताव पास

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में हुई कैबिनेट बैठक में 20 प्रस्ताव पास हुए हैं। कैबिनेट के समक्ष 21 प्रस्ताव अनुमोदन के लिए रखे गए थे। कैबिनेट बैठक के बाद वित्त एवं

संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अवस्थापना एवं औदयोगिक निवेश नीति अंतर्गत सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड व एलजी समूह के सबंध में प्रस्ताव को मंजूरी मिली है।एफडीआई के माध्यम से निवेश पॉलिसी को मंजूरी। 100 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर यह नीति लागू होगी। लैंड परचेज सुविधा, स्टाम्प ड्यूटी में छूट, कैपिटल इन्वेस्टमेंट मे 25 से 30 फीसदी की सुविधा दी जाएगी। नीति 05 वर्ष के लिए है। मिर्जापुर, सोनभद्र में जनजातीय संग्रहालय स्थापना का प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी है। केंद्रीय सहायता प्राप्त प्रोजेक्ट होगा। संग्रहालय में थारु, बुक्सा, गोंड, खरवार, सहरिया, बैगा, अगरिया, पटारी, चेरो, कोल आदि 15 जनजातियां शामिल होंगी। कुल बजट 2486 लाख 46 हजार रुपये निर्धारित है। प्रदेश के जनपदों में नए थाना भवनों को मंजूरी मिली है। वाराणसी में थाना शिवपुर, गाजियाबाद में थाना टीला मोड़, फिरोजाबाद थाना दक्षिण, आगरा थाना शाहगंज, गोरखपुर के कैम्पियरगंज में अग्निशमन केंद्र, जनपद मथुरा के वृन्दावन में नवीन थाना, लखनऊ गोमती नगर विस्तार के सेक्टर 04 में मॉडर्न थाना हेतु नवीन मंजिल बनाने को मंजूरी दी गयी है। कैबिनेट से प्राइवेट सुरक्षा अभिकरण नियमावली को भी मंजूरी मिली है। रामपुर में मुर्तजा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आवंटित भवन भूमि को मौलाना मो जौहर ट्रस्ट को वापस किये जाने के संबंध मे प्रस्ताव को अनुमोदन दिया है। इस भूमि को सरकार द्वारा वापस ली जाएगी। भवन भूमि का स्वामित्व राज्य सरकार माध्यमिक शिक्षा विभाग में निहित किये जाने का अनुमोदन हुआ है। वहीं मथुरा में निजी क्षेत्र के एस के एस इंटरनेशनल विश्विद्यालय को मान्यता प्रदान की गयी है।प्रदेश में तीन नए राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दी गयी है। देवी पाटन मंडल, विंध्याचल मंडल, मुरादाबाद मंडल में एक–एक विश्वविद्यालय की स्थापना होगी। पीएम उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों हेतु निशुल्क सिलेंडर दिये जाने को मंजूरी मिली है। आबकारी विभाग हेतु नई शीरा नीति को मंजूरी दी गयी है। इससे किसानों को लाभ होगा।मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना अंतर्गत छह प्राधिकरण को भूमि अर्जन हेतु राशि उपलब्ध करवाए जाने के संबंध मे प्रस्ताव पास हुआ। अयोध्या विकास प्राधिकरण को 30 करोड़, मेरठ विकास प्राधिकरण को 200 करोड़, आगरा प्राधिकरण को 150 करोड़, वाराणसी आवास विकास परिषद को 400 करोड़, मुरादाबाद प्राधिकरण को 200 करोड़, कानपुर न्यू सिटी योजना हेतु 150 करोड़ को मंजूरी दी गयी है। पीलीभीत में अमरिया तहसील में अनावासीय भवन हेतु प्रस्ताव को मंजूरी। जनपद कुशीनगर में 1026 बंदी क्षमता के कारागार को मंजूरी। इसका 228 करोड़ 31 लाख के बजट से दो वर्ष में कार्य पूर्ण होगा। ई पॉश मशीन हेतु ई निविदाओं के संबंध में प्रस्ताव पास हुआ है। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के माध्यम से राज्य के पॉलिटेक्निकों व आईटीआई को संचालित करने के संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। ई.ओ.डब्ल्यू में राज्य विशेष अनुसंधान दल एसएसआईटी के विलय प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। चूंकि इनका नेचर ऑफ जॉब एक जैसा है, इसी तरह विशेष अनुसन्धान शाखा को–ऑपरेटिव सहकारिता को अपराध अनुसंधान विभाग अर्थात सीबीसीआईडी में विलय की मंजूरी दी गयी है। चूंकि इनका नेचर ऑफ जॉब एक जैसा था।पुलिस विभाग के यूपी 112 में कॉल सेंटर संचालन हेतु एजेंसी चयन के लिए प्रस्ताव व नई तकनीकी क्रियान्वयन को मंजूरी मिली है।

पटेल के सपनों का भारत बनाने के लिए राष्ट्रीय लोकदल संकल्पबद्ध

रालोद कार्यालय में मनाई गई पटेल जयंती

लखनऊ,(यूएनएस)। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश कार्यालय में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती मनाई गई। रालोद नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा हजरतगंज स्थित पटेल प्रतिमा और कार्यालय में उनके चित्र पर मार्ल्यापण कर एक विचार गोष्ठी आयोजित की गयी।बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने गोष्ठी को संबोधित करते हुये कहा कि अराजकता एवं राजनीति के अपराधीकरण से मुक्त पटेल के सपनों का भारत बनाने के लिए राष्ट्रीय लोकदल संकल्पबद्ध है। राष्ट्रीय लोकदल लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के विचारों, कार्यक्रमों और नीतियों को प्रचारित एवं प्रसारित करने में सदैव अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरदार पटेल के नाम का सहारा केवल चुनावी लाभ के लिए ले रही है। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी सरदार पटेल के विचारों का अनुसरण करते हुए समाज में भाईचारा कायम रखने हेतु भाईचारा सम्मेलन आयोजित कर रहे हैं। 565 रियासतों को भारत में विलय कराने वाले लौह पुरुष सरदार पटेल को सादर श्रद्धांजलि है।इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव ओंकार सिंह एवं राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने भी गोष्ठी में सरदार पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश प्रवक्ता अंकुर सक्सेना ने किया। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश उपाध्यक्ष वसीम हैदर, प्रदेश महासचिव रजनीकांत मिश्रा, हवलदार यादव, मनोज सिंह चौहान, आरपी सिंह चौहान, रमावती तिवारी, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष आरिफ महमूद, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल, श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद पटेल, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष ममता शुक्ला, अवध क्षेत्र के संगठन महासचिव चंद्रकांत अवस्थी, प्रदेश सचिव प्रीति श्रीवास्तव, कुंवर रामगोपाल सिंह चंदेल, प्रमोद शुक्ला, आदि लोगों ने सरदार पटेल के चित्र पर मार्ल्यापण किया। इस अवसर पर गोष्ठी से पूर्व महानगर अध्यक्ष आशीष तिवारी तथा जिलाध्यक्ष रफी अहमद सिददीकी ने किसानों की समस्याओं और किसानों की फसल पर एमएसपी की गारण्टी की मांग को लेकर प्रदेश की राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा।

डिलीवरी बॉय से पुलिस की मुठभेड़,पैर में गोली लगने से घायल,

डिलीवरी के दौरान युवती से की थी रेप की कोशिश

नोएडा। सेंट्रल नोएडा में बिसरख थाना पुलिस की डिलीवरी के दौरान युवती से रेप की कोशिश करने वाले डिलीवरी बॉय से मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पैर में गोली लगने आरोपी घायल हो गया। आरोपी ने दरोगा से पिस्टल छीनकर भागने की कोशिश की थी। इसी दौरान पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हुई। फिलहाल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। बिसरख थाना क्षेत्र की इको विलेज वन सोसाइटी में दो दिन पहले एक डिलीवरी ब्वॉय अंडे और दूध की डिलीवरी करने गया था। इस दौरान घर पर एक युवती अकेली थी। युवती को अकेला पाकर आरोपी डिलीवरी बॉय ने उसके साथ छेड़खानी की और दुष्कर्म करने का प्रयास किया। जिस पर युवती ने उसका विरोध किया। विरोध करने पर उसने युवती के साथ मारपीट भी की। युवती ने शोर मचा दिया। इसके बाद आसपास के लोग मौके पर आ गए। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल प्रभाव से मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश में 5 टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने रविवार को आरोपी सुमित को गिरफ्तार कर लिया और जब पुलिस आरोपी को लेकर थाने आ रही थी। इसी दौरान आरोपी ने सेक्टर 3 के पास दरोगा की पिस्टल छीन ली और पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने लगा। इस दौरान पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। फिलहाल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस के द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है। बिसरख थाना प्रभारी अनिल राजपूत ने बताया कि एक सोसाइटी में डिलीवरी बाय के द्वारा एक युवती के साथ रेप का प्रयास किया गया था। उस आरोपी के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ में आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हुआ है। उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।इस मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सरदार पटेल जी एकता के सूत्रधार थे : डा राकेश सिंह

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ द्वारा तकरोही के सरस्वती शिशु मंदिर के प्रांगण में भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती व राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय एकता की संकल्पना और सरदार पटेल विषय पर परिचर्चा तथा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन मंगलवार को किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ राकेश सिंह, डॉ धीरेंद्र सिंह, भागवत शाक्य के अलावा स्कूल के प्राचार्य, छात्र–छात्राएं मौजूद रहे। इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के निदेशक डा राकेश सिंह ने भारत के लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व , कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी देश का आधार उसकी एकता और अखंडता में निहित होता है और सरदार पटेल जी एकता के सूत्रधार थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देसी रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में उनके योगदान को भूलाया नहीं जा सकता ।यही कारण है कि वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। बाद में राष्ट्रीय एकता की संकल्पना और सरदार पटेल नामक विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें कुमारी अर्चना को प्रथम निधि शर्मा को द्वितीय तथा आकांक्षा शर्मा को तृतीय पुरस्कार मिला। इसके अतिरिक्त करिश्मा, आदर्श, प्रिया, कंचन व काव्या को सांत्वना पुरस्कार के लिए चयनित किया गया।

ट्रेबेल एक्सपो में शामिल होकर पर्यटकों एवं निवेशकों को यूपी आने का दिया आमंत्रण

पर्यटन सेक्टर की ब्राण्डिंग एवं मार्केटिंग के माध्यम से पर्यटकों को आकर्षित करने की कवायद : जयवीर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विगत 26 से 29 अक्टूबर तक इंटेक्स ओसाका, जापान में आयोजित प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रदर्शनी जाटा ट्रैवल एक्सपो में शामिल हुआ। इस आयोजन में उत्तर प्रदेश पर्यटन का स्टॉल प्रमुख आकर्षण के रूप में उभरा है, जिसने आगंतुकों, विशेषकर बौद्ध धर्म में गहरी रुचि रखने वालों का ध्यान आकर्षित किया है। इसके दौरान उप्र के पर्यटन की मार्केटिंग एवं ब्राण्डिंग पर जोर देते हुए पर्यटकों एवं निवेशकों को उप्र आने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के लिए जाना जाता है। उप्र बौद्ध स्थलों का एक उल्लेखनीय संग्रह समेटे हुए है, जो जापानी, कोरियाई और बौद्ध धर्म के अन्य अनुयायियों के लिए अत्यधिक महत्व रखता है। उत्तर प्रदेश की विरासत और बौद्ध धर्म के बीच अटूट संबंध के चलते जापान, कोरिया, चीन और दुनिया के अन्य हिस्सों के पर्यटकों के लिए तीर्थयात्रा पर्यटन और सांस्कृतिक अन्वेषण का केंद्र बिंदु बन गया है। यूपीजीआईएस–23 के दौरान विदेशी निवेशकों ने उप्र में पर्यटन सेक्टर में निवेश के लिए काफी रूचि दिखाई है। यह एक्सपो प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देगा। पर्यटन मंत्री ने बताया कि जाटा ट्रैवल एक्सपो जापान में उत्तर प्रदेश पर्यटन स्टॉल पर आगंतुकों को इन पवित्र स्थलों के इतिहास, आध्यात्मिकता और सुंदरता को जानने का अवसर मिलेगा, जो वैश्विक बौद्ध परंपरा का अभिन्न अंग हैं। उत्तर प्रदेश में सबसे प्रतिष्ठित बौद्ध स्थलों में से प्रमुख सारनाथ शामिल है, जहां बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था और कुशीनगर जहाँ बुद्ध का महापरिनिर्वाण स्थान है। पर्यटन विभाग इस मंच के माध्यम से विश्वभर के पर्यटको और आगंतुकों को प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों आकर्षणों के प्रति जागरूक करने के साथ देश व विदेश के पर्यटको को भ्रमण के लिए आकर्षित करने के साथ निवेश आकर्षित करने का अवसर प्रदान करता है। ट्रैवल एक्सपो जापान में भागीदारी के बारे में उत्साह व्यक्त करते हुए बताया कि हमें जापान में इस प्रतिष्ठित ट्रैवल एक्सपो का हिस्सा बनकर प्रसन्नता हो रही है, जहां हमने इस मंच से अपने राज्य के पर्यटन स्थलों को वैश्विक दर्शकों के साथ साझा किया। उत्तर प्रदेश न केवल ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व का स्थान है, बल्कि आध्यात्मिक और धार्मिक अन्वेषण का केंद्र भी है"। उत्तर प्रदेश अपने समृद्ध इतिहास, संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। यहाँ पर काशी, अयोध्या, मथुरा, चित्रकूट और नैमिषारण्य जैसे धार्मिक पर्यटन स्थल हैं। दुनिया में मशहूर ताज महल भी यहीं है। हेरिटेज और ईको पर्यटन के लिहाज से भी खास प्रदेश है।

कांग्रेसियों ने मनाई वल्लभ भाई पटेल की जयंती,इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर किया नमन

उरई/जालौन। जालौन में कांग्रेसियों ने भारत के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयंती और आयरन लेडी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 43वीं पुण्यतिथि मनाई। यह कार्यक्रम कोंच नगर के सरोजिनी नायडू पार्क में राघवेन्द्र तिवारी की अध्यक्षता में मनाया गया। जिसमें सभी वक्ताओं ने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के साहसिक फैसले और उनके कार्यों और कांग्रेस पार्टी के मजबूत नेता गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के द्वारा देश को एक करने के साहसिक कार्य को सराहा। कांग्रेसी नेताओं ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर कहा कि देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत बनाने में सरदार पटेल का महत्वपूर्ण योगदान है। आज सभी रियासतें एकजुट हुई हैं, तो वह सरदार वल्लभ भाई पटेल के कारण हुई हैं। उन्होंने दक्षिण से उत्तर, पूर्व से पश्चिम को एक सूत्र में पिरोया। इसीलिए हमारा परम कर्तव्य है कि हम अपने कार्यों के द्वारा देश की एकता सुनिश्चित करें। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर बोलते हुए कांग्रेसियों ने कहा कि इंदिरा गांधी की बदौलत बांग्लादेश विश्व के मानचित्र पर आया। वह अदम साहस की प्रतिमूर्ति थी। इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत विश्व में एक अलग पहचान बनाने वाला देश बना था। हमें इंदिरा गांधी के साहस को कभी नहीं भूलना चाहिए। आज पूरे विश्व में उनकी पहचान आयरन लेडी के रूप में जानी जाती है। पूर्व पालिकाध्यक्षा सरिता आनंद, सभासद आजाद उददीन, विनोद कुशवाहा, नारायण दीक्षित, गुड्डू अवस्थी, पूर्व सभासद शकील अहमद, जाहिद भाई, सभासद प्रतिनिधि पप्पू अहिरवार, महेश पटेरिया, नवल किशोर जाटव, एनुल आरफीन एडवोकेट, राम नरेश त्रिपाठी एडवोकेट, राम किशोर पुरोहित भोलाराम, राजू वैद, बबलू शर्मा, फैज उददीन, बासू, अरमान राईन, अशीष दुबे, छोटे लाल अहिरवार आदि कांग्रेस जन मौजूद रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्धा की मौत

बांदा। रेल लाइन से होकर आ रही वृद्धा की ट्रेन की टक्कर से मौत हो गई। उसे कम सुनाई देता था। जिसकी वजह से यह हादसा हो गया।

मटौंध थाना क्षेत्र के भूरागढ़ पहाड़िया गांव निवासी तुलसिया (60) सोमवार सुबह 11 बजे के करीब गांव से गुजरी रेल लाइन पर गई थीं। वहां वह पीछे से आ रही ट्रेन का हार्न नहीं सुन पाई और ट्रेन की टक्कर से उनकी मौत हो गई। चरवाहों की सूचना पर उनके पुत्र को पता चला। पुत्र राजा भइया ने बताया कि घटना के समय वह नदी में नहा रहा था। उसकी मां को कम सुनाई देता था। इसी वजह से यह हादसा हुआ है। मृतका के चार पुत्र एक पुत्री है। पिता स्व. सुनवा की 20 साल पहले मौत हो चुकी है। वह सब मजदूरी करते हैं। भूरागढ़ चौकी प्रभारी आनंद कुमार ने बताया कि ट्रेन की टक्कर से मौत हुई है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

अवैध संबंधों के कारण हुई सुपरवाइजर की हत्या

नोएडा। सेक्टर–40 में फ्लैट के अंदर सोमवार को 55 वर्षीय सुपरवाइजर शशि शर्मा की हत्या कर दी गई। आठ घंटे के अंदर पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया। ये हत्या अवैध संबंधों के कारण की गई। जिसे शशि शर्मा की कथित प्रेमिका , उसका पति और एक साथी ने मिलकर अंजाम दिया। इन तीनों को सर्विलांस की मदद से महामाया फ्लाई ओवर के नीचे से गिरफ्तार किया गया। इनकी पहचान भरत चौहान, राजा तिवारी और सीमा देवी पत्नी भरत चौहान हुई। इसमें राजा तिवारी मैकेनिकल इंजीनियरिंग का स्टूडेंट है। डीसीपी हरीश चंदर ने बताया कि भरत चौहान और सीमा देवी की शादी 2006 में हो गई। विवाह के बाद दोनों प्लाट नंबर–56 ए–8 सेक्टर–62 में एक कमरा बनाकर रहने लगे। दोनों के चार बच्चे भी है। सीमा ने वहीं एक चाय की दुकान खोल ली। भरत कंस्ट्रक्शन का काम करता था। मृतक शशि शर्मा भी कंस्ट्रक्शन का काम करता था। भरत और शशि की मुलाकात 2021 में काम के दौरान हुई। दोनों के बीच दोस्ती हो गई। इसके बाद शशि भी उसी प्लाट पर एक कमरा बनाकर रहने लगा। 2021 में ही भरत ने शशि को अपनी पत्नी के साथ आपत्तिजनक हालत में देखा। जिसका उसने विरोध किया। इसके बाद शशि ने अपना कमरा वहां से हटा लिया और सेक्टर–40 में किराए के मकान में रहने लगा। अक्टूबर 2023 में शशि ने बारात घर सेक्टर–63 में काम किया जा रहा था। दस दौरान सीमा की फिर से उससे मुलाकात हो गई। 27 अक्टूबर 2023 को सीमा ने अपने पति के फोन से शशि को फोन किया। जिसकी रिकार्डिंग भरत ने सुन ली। भरत ने इसका विरोध किया तो सीमा ने सुसाइड करने का प्रयास किया। भरत ने उसे बचा लिया। जिसके बाद 29 अक्टूबर 2023 को सीमा , भरत और राजा तिवारी तीनों लोग बाइक से शशि शर्मा के सेक्टर–40 घर पहुंचे। राजा तिवारी 2022 में गोरखपुर से नोएडा आया था। वो नोएडा के महर्षि यूनिवर्सिटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग प्रथम साल का छात्र था। वो सीमा की दुकान पर अक्सर चाय पीने आता था। भरत से उसकी दोस्ती वहीं पर हो गई थी। घर पहुंचते ही तीनों ने देखा शशि वहां मौजूद नहीं है। सीमा ने शशि को फोन कर उसे कमरे पर बुलाया। इस दौरान चारो लोग सीमा और शशि के अवैध संबंधों को लेकर बातचीत कर रहे थे। जिस पर शशि को गुस्सा आ गया और उसने सीमा को तमाचा मार दिया। गुस्साए भरत ने राजा के साथ मिलकर शशि को पकड़ लिया और सब्जी काटने वाले चाकू से शशि का गला रेत दिया। साथ ही मोटरसाइकिल से तीनों फरार हो गए। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि शशि शर्मा नोएडा प्राधिकरण के ठेकेदार के यहां सुपरवाइजर थे। वह सेक्टर–40 के इस फ्लैट में अकेले रह रहे थे। जिस फ्लैट में शशि की हत्या हुई है, उसमें वह करीब दो साल से रह रहे थे। इसके अलावा वह प्राधिकरण के एक ठेकेदार के साथ बीते 30 साल के काम कर रहे थे।

दादी इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर बोले सांसद वरूण गांधी, सही मायने में इंदिरा गांधी ‘देश की मां हैं

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद वरूण गांधी ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री व अपनी दादी इंदिरा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर नमन किया और कहा कि सही मायने में वह ‘देश की मां हैं। वरूण ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ‘‘अप्रतिम साहस एवं संघर्ष की प्रतीक और लोकतांत्रिक समाजवाद की प्रणेता रहीं मेरी दादी स्वर्गीय इंदिरा गांधी जी को उनके बलिदान दिवस पर शत शत नमन। उन्होंने कहा, ‘‘आपमें कठोर फैसले लेने के दृढ़निश्चय के साथ साथ मातृत्व तथा एक बेहद सरल और सौम्य कोमलता भी थी। आप सही मायने में ‘देश की मां‘ हैं।’’ वरूण ने इस पोस्ट के साथ ही इंदिरा गांधी के साथ अपने बचपन की एक तस्वीर भी साझा की। इंदिरा गांधी का जन्म 19 नवंबर, 1917 को प्रयागराज में हुआ था। वह जनवरी 1966 से मार्च 1977 तक प्रधानमंत्री रहीं। इसके बाद 1980 में वह फिर से प्रधानमंत्री बनीं। 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी के अंगरक्षकों ने उनकी हत्या कर दी थी। इंदिरा गांधी के दो पुत्र थे– संजय गांधी और राजीव गांधी। संजय गांधी की एक विमान हादसे में मृत्यु हो गई थी, जबकि राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। वरुण गांधी इंदिरा गांधी के पौत्र और दिवंगत संजय गांधी के पुत्र हैं। वरूण की मां मेनका गांधी सुलतानपुर लोकसभा सीट से भाजपा की वरिष्ठ सांसद हैं और वह केंद्र सरकार में मंत्री भी रह चुकी हैं।

अतिक्रमण से शहरी हलकान, जगह–जगह लगता जाम

उरई/जालौन। शहर के प्रमुख चौराहों पर अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है, जो जाम का कारण बन रहा है। जाम में रोज एंबुलेंस और अधिकारियों की गाड़ी भी फंसी रहती हैं। दिन ब दिन जाम हर चौराहे पर बढ़ रहा है। शहर के प्रमुख चौराहे जिला परिषद, आंबेडकर चौराहा, शहीद भगत सिंह चौराहा, कोंच बस स्टैंड तिराहा, कालपी बस स्टैंड पर जाम सबसे बड़ी समस्या है। इन स्थानों पर जिले भर के लोग आवागमन करते हैं। उसके बाद भी इन चौराहों पर जाम से निजात पाने के लिए विशेष ध्यान नहीं दिया जा रहा है। आंबेडकर चौराहे से घंटाघर तक फुटपाथ पर चारों ओर ठेले और अस्थायी दुकानें सजी रहती हैं। बाजार में कही भी ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले लोगों की वाहन खड़ा करनी की जगह नहीं मिलेगी। धीरे–धीरे अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। अब यह सड़क किनारे तक आ चुका है। सबसे ज्यादा परेशानी घंटाघर के पास बनीं मिठाई की बड़ी दुकानों के बाहर खड़ी बाइकों से होती है। इससे हर घंटे जाम लगता है। एक साल से अधिक हो चुका है, लेकिन इस ओर जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया है। कालपी बस स्टैंड के आसपास अतिक्रमण के साथ डग्गामार वाहन खड़े रहते हैं जो जाम की वजह बना है। पास में पालिका मानकविहीन वाहन स्टैंड भी बना है। बगल में कोर्ट परिसर होने के बाद भी आज तक जाम से निजात नहीं मिल पाया। कोंच बस स्टैंड पर पालिका ने कुछ महीने पहले अभियान भी चलाया था। उसके बाद फिर से बस टिकट बुकिंग काउंटर और ठिलिया वालों ने सड़क किनारे तक कब्जा कर लिया। चौराहे पर लगे ट्रैफिक पुलिसकर्मी भी कुछ देर की ड्यूटी कर खानापूरी करने लगते हैं।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।